जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 51 संख्याः 80 प्रभात कोटा, शुक्रवार 2 जनवरी, 2026 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

भाजपा सुनियोजित तरीके से गंभीरता से युवा नेताओं का ''ग्रुप'' तैयार कर रही है

इस ''ग्रुप'' के नेता आगामी बीस साल तक पार्टी को नेतृत्व प्रदान करेंगे, 2047 के लिए निश्चित ''रोड मैप'' का अनुसरण करते हुए, लक्ष्य तक पहुँचाएंगे

- इस दृष्टि से मकर सक्रांति के बाद केन्द्रीय मंत्रिमंडल में बहुप्रतीक्षित फेरबदल में युवा चेहरों पर फोकस होगा।
- इसी प्रकार नव चयनित पैंतालीस वर्षीय पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन जब अगले माह अपनी जिम्मेवारी संभालेंगे और अपने पदाधिकारियों की नई टीम गठित करेंगे, पार्टी के कई महासचिव व सचिव व अन्य पदाधिकारियों की जगह युवा नेताओं को स्थान दिया जाएगा।
- राज्यसभा में भाजपा के सदस्यों की संख्या बढ़ेगी, बिहार, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ में पार्टी को मिली सफलता के कारण। इस बार राज्यसभा में 37 सीटें, अप्रेल में खाली हो जाएंगी, पुराने सदस्यों का कार्यकाल पूरा होने के कारण। इन रिटायर हो रहे सदस्यों में भाजपा के 9 सांसद भी हैं। भाजपा के अब पहले से ज्यादा सदस्य चुने जाएंगे, राज्यसभा के सदस्य के रूप में। नये सदस्यों के चयन में भाजपा पुनः युवा नेताओं को मौका देगी।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जनवरी। भाजपा का आमूलचूल बदलाव, जो 2025 में शुरू हुआ था, इस वर्ष उसके गति पकड़ने की संभावना है। यह नेतृत्व में एक पीढ़ीगत बदलाव का संकेत है।

अन्य राजनीतिक दलों के विपरीत, भाजपा रणनीतिक रूप से जनरेशन ज़ैड और मिलेनियल्स को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए काम कर रही है। ज्ञातव्य है कि इन वर्गों के बीच हाल ही में बढ़ते हुए असंतोष की घटनाएं सामने आई हैं। 15 अगस्त 2024 को, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में 1,00,000 ऐसे युवाओं को राजनीति में लाने की बात कही थी, जिनका पहले कोई राजनीतिक जुड़ाव नहीं रहा। पिछले साल जनवरी में, विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद की शुरुआत की गई थी तथा प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस तीन दिवसीय सम्मेलन में भाग लिया था।

जब नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन अपनी टीम का गठन करेंगे, तब राष्ट्रीय संगठन में नये और युवा चेहरों को शामिल किये जाने की संभावना है। कई वरिष्ठ महासचिवों और सचिवों के स्थान पर युवा नेताओं को लाया जा सकता है। नबीन को फरवरी में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया जा सकता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नये साल में 299 घायल चालक ट्रॉमा सैंटर पहुँचे

- शराब के नशे में तेज वाहन चलाते हुए इन घायलों में से एक की मौत हो गई व 50 की हालत गंभीर है।

जयपुर, 1 जनवरी। नववर्ष के जश्न में नशे के जोश ने राजधानी की सड़कों को खून से लाल कर दिया। देर रात शराब के नशे में तेज रफ्तार दुपहिया और चौपहिया वाहन चलाने से हुए हादसों में 299 घायल सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। पुलिस की सख्त अपीलों और निगरानी के बावजूद, युवाओं की लापरवाही भारी पड़ी, जिसका सीधा असर एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में देखने को मिला।

नववर्ष की रात 8 बजे के बाद सड़क हादसों के मामलों में अचानक बढ़ोतरी दर्ज की गई। देर रात तक घायलों का सिलसिला चलता रहा और ट्रॉमा सेंटर पूरी तरह व्यस्त रहा।

एसएमएस ट्रॉमा सेंटर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. बी.एल. यादव ने बताया कि बीते 24 घंटों में कुल 299 घायल इलाज के लिए लाए गए। इनमें से एक घायल की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि 50 घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया। शेष 249 घायलों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सबको अपने घर में मातृ-भाषा बोलनी चाहिए'

मोहन भागवत ने छत्तीसगढ़ में हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, देश में सामाजिक समरसता से ही भारत की पहचान है

- भागवत ने अनुसार, अगर कोई किसी अन्य प्रदेश में रहता है तो उसको उस प्रदेश की भाषा भी सीखनी चाहिए। क्योंकि सभी भाषाएं, राष्ट्रीय भाषाएं हैं और सबका बराबर महत्व है।
- भाजपा के कई नेताओं ने भागवत के भाषण को सही बताया और समर्थन किया।
- पर, विपक्ष ने कटाक्ष किया कि भागवत किस राजनीतिक पार्टी के सोच का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। भाजपा तो उनकी इस सोच का अनुसरण नहीं करती और न ही उनके इस उदार सोच से प्रेरणा लेती है।

- जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 1 जनवरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को देशभर में सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का आव्हान किया और लोगों से भाषा, जाति और संपत्ति के विभाजन से ऊपर उठने की अपील की। भागवत के अनुसार, लोगों को घर पर अपनी मातृभाषा बोलनी चाहिए और साथ ही यह भी कहा कि सभी भाषाओं का समान महत्व है।

भागवत के ये बयान क्षेत्रीय दलों, खासकर दक्षिण भारतीय दलों द्वारा लगाए गए इन आरोपों के बीच आए हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली केन्द्र सरकार "क्षेत्रीय भाषाओं की कीमत पर हिंदी को प्राथमिकता देने की कोशिश कर रही है"। भागवत के बयान उस समय आए हैं, जब त्रिपुरा के एक छात्र एंजेल चकमा की देहरादून में कथित नस्ली उत्पीडन के बाद हुई हत्या के बाद देश भर में नाराज़गी बढ़ रही है। सार्वजनिक आक्रोश के बीच, भागवत ने दोहराया कि पूरा देश सभी का है और सौहार्द भारत की पहचान है।

भागवत ने कहा, "कम से कम हमारे घरों के अंदर हमें अपनी मातृभाषा में बात करनी चाहिए। यदि आप किसी अन्य राज्य या क्षेत्र में रहते हैं, तो आपको उस राज्य या क्षेत्र की भाषा सीखनी चाहिए, क्योंकि सभी भाषाएँ भारत की राष्ट्रीय भाषाएँ हैं। उनका सभी का समान महत्व है," भागवत छत्तीसगढ के रायपुर जिले के सोनपैरी गांव में आयोजित "हिंदू सम्मेलन" को संबोधित कर रहे थे।

कई भाजपा नेताओं ने आर.एस.एस. प्रमुख के इन बयानों की सराहना की तथा कहा कि उनके संदेश ने "भारतीय पहचान की सबको साथ लेकर चलने की प्रकृति को रेखांकित किया"।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भागवत ने सही भावना में बात की है। पाठक बोले "उन्होंने सही कहा है। वे लगातार सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देते हैं, लोगों को एकजुट करते हैं, और हम सभी एक ऐसे तरीके से आगे बढ़ रहे हैं, जो भारत की संस्कृति को दर्शाता है, जिसमें सभी को शामिल किया गया है,"

शिवसेना नेता शायना एनसी ने इस पर प्रतिक्रिया दी कि भारत हमेशा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम मेयर ममदानी ने कुरान पर हाथ रखकर शपथ ली

भारतीय मूल के ज़ोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के 112वें मेयर चुने गए हैं

- ममदानी ने न्यूयॉर्क के पुराने विख्यात सिटी हॉल सबवे स्टेशन पर शपथ ली। अपनी मेहराबदार छतों के लिए विख्यात यह स्टेशन 1945 से ही बंद है।
- शपथ ग्रहण के बाद ज़ोहरान ने कहा, "यह उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान और सौभाग्य है।"

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जनवरी। ज़ोहरान ममदानी ने एक भव्य समारोह में न्यूयॉर्क सिटी के 112वें मेयर के रूप में शपथ ली। यह ऐतिहासिक समारोह मैनहटन के एक अप्रयुक्त सबवे स्टेशन में हुआ। भारतीय मूल के इस डेमोक्रेट नेता ने अमेरिका के सबसे बड़े शहर के पहले मुस्लिम मेयर के रूप में शपथ ली, और शपथ लेते समय अपना हाथ पवित्र कुरान पर रखा। ऐसा करने वाले वे पहले मेयर हैं।

गुरुवार की आधी रात के बाद ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के मेयर बन गए, और मैनहटन के एक अप्रयुक्त सबवे स्टेशन में शपथ ग्रहण के बाद ममदानी ने कहा, यह पुराना सबवे स्टेशन न्यूयॉर्क सिटी की जान, स्वास्थ्य, और विरासत के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट के महत्व का प्रमाण है।

एसोसिएटेड प्रैस ने बताया, यह सबवे स्टेशन शहर के शुरुआती सबवे स्टॉप्स में से एक है और अपनी शानदार मेहराबदार छतों के लिए प्रसिद्ध है। यह 1945 से बंद है।

ममदानी के कार्यालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, "लंबे समय से बंद सबवे स्टेशन का चुनाव उन मेहनती लोगों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो हर दिन हमारे शहर को चलाते हैं। यह उस दौर का प्रतीक है, जब न्यूयॉर्क ने रोजमर्रा की जिंदगी का बेहतर बनाने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर में भारी निवेश किया था। हमारा प्रशासन इसे फिर से शुरु करना चाहता है।"

ममदानी ने कहा, "यह सच में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल और खड़गे ने नववर्ष की बधाई दी

- दोनों नेताओं ने प्रगति व समृद्धि के लिए एकता तथा सामुहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

नयी दिल्ली, 01 जनवरी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को देशवासियों को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और प्रगति एवं समृद्धि के लिए एकता तथा सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

खड़गे ने सोशल मीडिया एक्स पर शुभकामना संदेश पोस्ट करते हुए कहा, "इस उल्लासपूर्ण नववर्ष पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। आइए, नया साल, कमजोर वर्गों के अधिकारों, काम का अधिकार, वोट का अधिकार और गरिमा के साथ जीवन जीने के अधिकार की रक्षा के लिए जन आंदोलन बने।" गांधी ने भी अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा, "आप सभी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जापान को पछाड़कर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना भारत

अधिकारियों ने भविष्यवाणी की है कि अगले तीन साल में भारत जर्मनी को पीछे छोड़ कर तीसरे स्थान पर आ जाएगा

- सरकार ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है, जिसका शीर्षक है, "2025 : ए डिफाइनिंग इयर फॉर इंडियाज़ ग्रोथ"। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 4.18 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी ग्रोथ के साथ भारत ने जापान को पीछे छोड़ दिया है और 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी प्रस्तावित है, तब भारत जर्मनी को पीछे छोड़ कर तीसरे नम्बर पर आ जाएगा।
- वर्ष 2022 में भारत ब्रिटेन को पीछे छोड़ कर पाँचवे स्थान पर आ गया था। सरकार ने दावा किया कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंधी तमाम अनिश्चितताओं के बावजूद सतत ग्रोथ भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को दर्शाती है।
- आबादी की दृष्टि से चीन को पीछे छोड़ कर भारत पहले स्थान पर है और भारत की 1.4 बिलियन आबादी 10 से 26 साल के बीच की है और इस युवा वर्ग के लिए भारी रोज़गार सृजन की जरुरत है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जनवरी। साल 2025 खत्म होने से पहले ही भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। यह जानकारी सरकार की साल के अंत की आर्थिक समीक्षा में दी गई है। अधिकारियों को उम्मीद है कि भारत अगले कुछ वर्षों में जर्मनी को भी पीछे छोड़ देगा।

अधिकारियों का कहना है कि अगले तीन वर्षों के भीतर भारत जर्मनी को पार कर सकता है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत का नॉमिनल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 4.18 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जिससे वह अमेरिका, चीन और जर्मनी के बाद चौथे स्थान पर आ गया है।

हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि 2026 में आएगी, जब सालाना जीडीपी के अंतिम आंकड़े जारी किए जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आंकड़े बताते हैं कि भारत इस साल जापान को पार कर जाएगा। आईएमएफ के 2026 के अनुमान के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 4.51 ट्रिलियन डॉलर और जापान की 4.46 ट्रिलियन डॉलर होगी।

सरकार की हाल में जारी रिपोर्ट "2025: ए डिफाइनिंग ईयर फॉर इंडियाज़ ग्रोथ" में कहा गया है कि "भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और इस रफ्तार को बनाए रखने की अच्छी स्थिति में है। 4.18 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अगले ढाई से तीन साल में 7.3 ट्रिलियन डॉलर की अनुमानित जीडीपी के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद जर्मनी को भी पछाड़ सकता है।"

भारत का यह सकारात्मक आकलन, अगस्त में वाशिंगटन द्वारा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'2000 रु. के 98.41 प्रतिशत नोट वापस आए'

- रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया ने गुरुवार को एक प्रैस विज्ञप्ति में यह घोषणा की।

मुंबई, 01 जनवरी। प्रचलन से बाहर किये गये 2000 रुपये के 98.41 प्रतिशत नोट अब तक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास वापस आ गये हैं।

केंद्रीय बैंक ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। उसने बताया कि 2000 रुपये के नोटों को प्रचलन से बाहर करने की घोषणा 19 मई 2023 को की गयी थी। उस समय 3.56 लाख करोड़ मूल्य के ये नोट प्रचलन में थे। गत 31 दिसंबर 2025 को यह आंकड़ा घटकर 5,669 करोड़ रुपये रह गया है। इस प्रकार, 98.41 प्रतिशत नोट आरबीआई के पास वापस आ चुके हैं।

विज्ञप्ति में बताया गया है कि 2000 रुपये के बैंक नोटों को वापस लेने की घोषणा के बाद सात अक्टूबर 2023 तक इन नोटों को बैंक शाखाओं में जमा कराने या बदलवाने की सुविधा दी गयी थी।राहुल ...

नयी दिल्ली, 01 जनवरी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को देशवासियों को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और प्रगति एवं समृद्धि के लिए एकता तथा सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान डिजिफेस्ट में 10 हजार प्रतिभागी शामिल होंगे- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने स्टार्टअप्स की फंडिंग और मेंटरिंग के लिए आयोजित समिट की तैयारियों की समीक्षा की

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 में बारह सौ से अधिक वैश्विक कंपनियों के फाउण्डर, सीईओ व निवेशकों सहित 20 से अधिक यूनीकॉर्न/यूनीकॉर्न स्टार्टअप के फाउण्डर शामिल होंगे।

जयपुर, 1 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान के स्टार्टअप्स को फंडिंग और मेंटरिंग का वैश्विक मंच उपलब्ध कराने के लिए 4 से 6 जनवरी तक जयपुर में 'राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026' का आयोजन होने जा रहा है। इससे प्रदेश आई.टी. और स्टार्टअप विकास के प्रमुख केन्द्र के रूप में अपनी पहचान बनाएगा।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहली बार वृहद् स्तर पर आयोजित होने जा रही इस समिट में 10 हजार से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे, जिनमें देश व राज्य के स्टार्टअप्स, निवेशक, युवा उद्यमी, आई.टी. प्रोफेशनल्स, शिक्षण संस्थान एवं स्टूडेंट्स सहित, कई राज्यों के सूचना प्रौद्योगिकी तथा उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देश में आयोजित होने जा रहे राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 में 1 हजार 200 से अधिक वैश्विक कम्पनियों के फाउण्डर, सीईओ व निवेशकों सहित, 20 से अधिक यूनीकॉर्न/सूनीकॉर्न स्टार्टअप्स के फाउण्डर शामिल होंगे। डिजिफेस्ट में आयोजित हो रहे सेक्टोरल सेशन में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) सहित अन्य विषयों पर विस्तृत चर्चा होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 2 वर्षों में स्टार्टअप्स के लिए कई नीतिगत निर्णय लिए हैं, जिससे प्रदेश में स्टार्टअप और प्रौद्योगिकी के विकास का नया ईको सिस्टम विकसित हुआ है। इस समिट के माध्यम से राजस्थान के स्टार्टअप्स को 200 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। साथ ही, राजस्थान के आई-स्टार्ट प्रोग्राम में चिन्हित स्टार्टअप्स को इस आयोजन के जरिए एक वर्ष की मेंटरशिप मिलेगी।

शर्मा ने कहा कि इस समिट में कई राज्यों सहित, राजस्थान के सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के पवेलियन के जरिये प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी तथा स्टार्टअप्स के 114 स्टॉल्स के माध्यम से नवाचारों को पहचान दिलाने का अवसर भी मिलेगा।

राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 के तहत राजस्थान रीजनल एआई इम्पेक्ट कॉन्फ्रेंस का भी आयोजन किया जाएगा। इस कॉन्फ्रेंस में एआई विषय पर आधारित सेक्टोरल सेशन का भी आयोजन होगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में अप्रेल 2025 में राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी एवं दिसम्बर 2024 में राजस्थान एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी लाई गई। इसी कड़ी में अब शर्मा डिजिफेस्ट के दौरान 6 जनवरी को राजस्थान एआई-एमएल पॉलिसी भी जारी करेंगे। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित, मुख्यमंत्री कार्यालय, उद्योग एवं वाणिज्य, सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के उच्चाधिकारी तथा टाई राजस्थान के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्र.मंत्री मोदी ने देशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं दी

- प्र.मंत्री ने एक्स पर लिखे अपने संदेश में राष्ट्रीय विकास के लिए एकता और सामुहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

नयी दिल्ली, 01 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को नव वर्ष 2026 के आगमन पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एक्स मंच पर शुभकामना संदेश पोस्ट किया, "सभी को 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं। यह वर्ष सभी के लिए उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आए, आपके प्रयासों में सफलता मिले और आप जो भी करें, उसमें संतोष प्राप्त हो। मैं समाज में शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना करता हूं।"अपने नववर्ष संदेश में मोदी ने राष्ट्रीय विकास के लिए एकता और सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि देश आने वाले वर्ष में चुनौतियों पर काबू पाएगा और नई ऊंचाइयों को छुएगा। प्रधानमंत्री का यह संदेश ऐसे समय आया है जब भारत अपनी आर्थिक विकास की गति को आगे बढ़ ने और वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति को मजबूत करने की दिशा में अग्रसर है। मोदी ने नागरिकों से एक समृद्ध और सौहार्दपूर्ण समाज के निर्माण के लिए मिलकर काम करने का आव्हान किया।

विचार बिन्दु

सहकामी दीपक दसा, सोखे तेल निवास
कबीरा हीरा संतजन, सहजे सदा प्रकास –कबीर

राजस्थान के मुख्यमंत्री की गंभीरता और चिंता को दर्शाता है अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ संयुक्त अभियान

राजस्थान के 20 जिलों में अरावली पर्वतमाला की पारिस्थितिकी, जैव विविधता, जल पुनर्भरण और रेगिस्तानीकरण के विस्तार को रोकने में भूमिका को देखते हुए राजस्थान सरकार अरावली संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध होने के साथ ही गंभीर है। राजस्थान के अलवर, खैरथल-तिजारा, झुन्झुनू, सीकर, जयपुर, दौसा, कोटपूतली-बहरोड़, अजमेर, भीलवाड़ा, ब्यावर, टोंक, कुचामन-डीडवाना, पाली, सिरोही, राजसमंद, उदयपुर, सलूंबर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा और प्रतापगढ़ जिले अरावली पर्वतमाला श्रृंखला के दायरे में आते हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अरावली को लेकर गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि उन्होंने ना केवल अरावली पर्वतमाला क्षेत्र अपितु प्रदेश में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश देते रहे हैं और इसके सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त होने लगे हैं। अरावली को लेकर पर्यावरणविदों, गैर सरकारी संगठनों और इंफ्लुएंशरों की चिंता से पहले ही मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा गंभीर रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए 29 दिसंबर से 15 जनवरी, 2026 तक अरावली प्रभावित क्षेत्रों में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ संयुक्त अभियान संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देश के तत्कालबाद खान विभाग ने बिना किसी देरी किये अरावली प्रभावित जिलों में संयुक्त अभियान चलाने की कुछ घंटों में ही तैयारी कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए माइंस विभाग ही नहीं अपितु समूचे प्रशासन को सक्रिय कर दिया। सोमवार 29 दिसंबर से अभियान आरंभ हो गया है और प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने स्पष्ट व सेल्फ स्पीकिंग दिशा-निर्देश जारी करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से सीधे संवाद कायम कर सरकार की मंशा से ठोस कार्रवाई का संदेश दे दिया है। प्रमुख सचिव माइंस श्री टी. रविकान्त अभियान की क्लोज मोनेटरिंग कर रहे हैं और उसी का परिणाम है कि शुरुआती तीन दिनों में ही उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त होने लगे हैं।

माननीय उच्चतम न्यायालय ने अरावली पर नवंबर माह में पारित आदेश को केप्ट इन एवेयांस रख दिया है। नवंबर माह के अरावली पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के 10 से 15 दिन बाद जिस तरह से अरावली बचाओ-जीवन बचाओ आंदोलन ने जनआंदोलन का रुप लिया ठीक उसी तरह से केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अरावली के संरक्षण को लेकर सरकार की मंशा और ईच्छा शक्ति को यह कहकर स्पष्ट कर दिया कि अरावली पर्वतमाला से किसी तरह की छेड़छाड़ की अनुमति नहीं दी जाएगी। अरावली पर्वत श्रृंखला में खनन पट्टे नहीं जारी किये जाएंगे वहीं अरावली संरक्षित क्षेत्र का विस्तार किया जाएगा। इससे यह तो स्पष्ट हो जाता है कि अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर केन्द्र व राज्य सरकार दोनों ही अति गंभीर है। गुजरात, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान तक फैली अरावली पर्वतमाला का सर्वाधिक क्षेत्र राजस्थान में आता है। राजस्थान के 20 जिले अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में आते हैं इनके साथ ही गुजरात के बांसकाटा, सांवरकांटा, अरावली और माहीसागर का कुछ हिस्सा, हरियाणा का गुरुग्राम, भीवाणी, नूह, चरकी दादरी, महेन्द्र गढ़ फरिदाबाद और रेबाडी, दिल्ली के नई दिल्ली से दक्षिण पूर्व, दक्षिण, पश्चिमी और सेन्ट्रल दिल्ली तक अरावली पर्वतमाला का विस्तार है। इसमें कोई दो राय नहीं कि राजस्थान में ही अरावली पर्वतमाला का अधिकांश क्षेत्र आता है तो दूसरी और अरावली बचाओ अभियान देश में आज ज्वलंत मुद्दा और आंदोलन बन गया है। इसमें भी कोई दो राय नहीं अरावली राजस्थान के लिए महत्वपूर्ण रही है और इसके संरक्षण के लिए आज नहीं अपितु राजस्थान सालों से प्रयासरत रहा है। अरावली थार के रेगिस्तान को विस्तारित होने से रोकने की दीवार रही है। अरावली में जैव विविधता के साथ ही जल संरक्षण में भी प्रमुख भूमिका रही है।

आंदोलन आंदोलन के लिए ना होकर अवैध खनन के रोग को मिटाने में भागीदारी बने तो निश्चित रुप से अरावली के प्रति जो देशव्यापी चिंता व्यक्त की जा रही है और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उनकी सरकार गंभीर होकर अभियान चला रही है उसके सहभागिता से और अधिक बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। अरावली बचाओं अभियान के भागीदारों को अरावली में अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई में भागीदार बनने से ही आंदोलन की उपादेयता सिद्ध हो पायेगी।

अरावली प्राचीनतम पर्वतमाला होने के साथ ही थार के रेगिस्तान को फैलने से रोकने की एक तरह से प्राकृतिक दीवार है। थार के रेगिस्तान का विस्तार रोकने में अरावली की प्रमुख भूमिका रही है। यह भी सही है कि अरावली की कोख में खनिज संपदा का भण्डार भरा पड़ा है। यहां तक कि आज के दुर्लभतम और अत्यधिक महत्वपूर्ण खनिज रेयर अर्थ एलिमेंट, क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरलों के विशाल डिपोजिट्स अरावली पर्वतमाला की कोख में समाये हुए हैं। अरावली को लेकर सबसे बड़ा संकट अवैध खनन को लेकर भी है। अवैध खनन में प्रभावशाली व स्थानीय लोगों की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से भागीदारी से इंकार नहीं किया जा सकता है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का अरावली प्रभावित क्षेत्र के 20 जिलों में 29 दिसंबर से 15 जनवरी, 2026 तक अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सघन अभियान चलाने का निर्णय इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राजस्थान की सरकार अरावली के संरक्षण को लेकर गंभीर है। अभियान के दौरान पांच विभागों को संयुक्त रुप से जोड़ना इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि अरावली क्षेत्र में वन क्षेत्र भी है तो राजस्व विभाग से संबंधित क्षेत्र भी है। अवैध खनन परिवहन और ओवरलोडिंग आदि की समस्या को देखते हुए परिवहन विभाग को जोड़ा गया है तो कानून व्यवस्था की स्थितियों को देखते हुए पुलिस प्रशासन को जोड़ा गया है। जिला कलक्टर के मार्गदर्शन में अभियान का संचालन इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि जिला कलक्टर सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय व स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अभियान को गति देने व सफल बनाने में कारगर भूमिका निभा सकते हैं। शुरुआती दो दिनों में ही बड़ी कार्रवाइयां करते हुए अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त 12 एक्सक्वेटर व 137 वाहनों की जब्ती कर संबंधित पुलिस थानों को सुपुर्द कर दिया गया है। 14 एफआईआर, एक गिरफ्तारी और 7 हजार टन से अधिक अवैध भण्डारित खनिज जब्त किया जा चुका है। करीब करीब 30 लाख का जुर्माना वसूल कर राजकोष में जमा किया गया है।अभियान के दौरान दिन प्रतिदिन तेजी दिखाई दे रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अरावली के प्रति चिंता की सराहना तो की ही जानी चाहिए और उन्होंने त्वरित निर्णय कर राज्य सरकार की इच्छाशक्ति को भी स्पष्ट कर दिया है। अब अरावली बचाओ अभियान चलाने वाले संगठनों और चिंता व्यक्त करने वालों का भी दायित्व हो जाता है कि वे सरकार के साथ कंधा से कंधा मिलाकर अवैध खनन गतिविधियों को नेस्तनाबूद करने के राज्य सरकार के संकल्प को पूरा करने में सहभागी बने। आंदोलन आंदोलन के लिए ना होकर अवैध खनन के रोग को मिटाने में भागीदारी बने तो निश्चित रुप से अरावली के प्रति जो देशव्यापी चिंता व्यक्त की जा रही है और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उनकी सरकार गंभीर होकर अभियान चला रही है उसके सहभागिता से और अधिक बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। अरावली बचाओं अभियान के भागीदारों को अरावली में अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई में भागीदार बनने से ही आंदोलन की उपादेयता सिद्ध हो पायेगी।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

लोकतांत्रिक व्यवस्था की निरंतरता : ताजपोशी को एक साल....दो साल....ग्यारह साल....

रामनिवास बैरवा

राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ताजपोशी के दो वर्ष पूरे होने के जश्न मनाया जा रहा है। इसके पहले व्यक्तियों की ताजपोशी के 100 दिन, एक साल, ग्यारह साल के जश्न मनाये जाते रहे है जैसे कि लोकतान्त्रिक शासन व्यवस्था उनकी ताजपोशी के दिन से ही शुरू हुई हो, जैसे कि लोकतान्त्रिक शासन व्यवस्था निरन्तर न होकर राजतान्त्रिक राजाओं की ताजपोशी के दिन से ही राज व्यवस्था शुरू हुई हो।

इस प्रकार की विचारधारा, इस प्रकार की सोच लोकतन्त्र, संविधान और संवैधानिक निरन्तरता के लिए घातक भी है और लोकतान्त्रिक विकास को उल्टी दिशा में ले जाने के ही प्रयास है। व्यवस्था की निरन्तरता उन संवैधानिक संस्थानों में अभिव्यक्त होती है जो लोकतन्त्र के आधार स्तम्भ हैं तथा जश्न मनाने वालों को सत्ता की बागडोर सौंप देने के अवसर देते हैं।

ऐसे में अगर जश्न मनाने के लिए नई-नई परिभाषाएं गढ़ी जाती हैं तो यह उनका संविधान और लोकतन्त्र में अविश्वास को ही दर्शाता है। क्योंकि लोकतन्त्र और संवैधानिक व्यवस्थाओं में व्यवस्थाओं का विकास होता है, उनकी निरन्तरता को बरकरार रखा जाता है। नई-नई परिभाषाएं गढ़-गढ़ कर अपने आपको ही प्रस्थान बिंदु नहीं बनाया जाता है और व्यवस्था की निरन्तरता को नकारा नहीं जाता है। तब मुख्य रूप से यही सवाल खड़ा होता है कि क्या उनके पहले किसी व्यवस्था का अस्तित्व था या नहीं?

वास्तव में देखा जाये तो संविधान द्वारा शासन व्यवस्था को दिये गये उत्तरादायित्व राज्यों की नीति के निदेशक सिद्धांतों में निहित है; जिनके द्वारा किसी भी सरकार की नेतृत्वकारी नीति को परखा जा सकता हैं कि वह सत्ता की निरन्तरता में एक है और उनके विकास के वाहक है। अनुच्छेद 39 समग्र रूप से उस सरकार की सामाजिक, आर्थिक विकास की कसौटी हैं। अगर उनमें विकास दिखाई नहीं देता है तो कोई भी सरकार विरासत में प्राप्त विरासत की स्थिरता को ही जारी रखे है। ऐसे में यदि कोई शासनविधि विकास हो जाने का प्रचार करती है तो वह सिर्फ आंकड़ों का ही खेल है जिसे अलग-अलग संदर्भों में अलग-अलग तरह से प्रचारित किया जाता है। क्या किसानों की खेती-बाड़ी का विकास हुआ? क्या बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध करवाने वाले उद्योगों और अन्य सेवाओं का विस्तार हुआ? क्या सभी को मूलभूत शिक्षा उपलब्ध है? क्या सम्मानजनक जीवन-यापन का वातावरण बनाया गया है? यदि हाँ तो धरातल पर क्या स्थिति है? आंकड़ों के लिए अगर पैमाने बदलकर विकास दिखाया जाता है तो वह जनता के साथ धोखधड़ी ही है, जैसे गरीबी को कम करके दिखाने के लिए गरीबों की आय को कम करके दिखाना ताकि उस तय आमदनी से अधिक आय वाले सभी व्यक्ति-परिवार गरीबी की रेखा से बाहर है। ऐसे में विरासत में प्राप्त व्यवस्था को आगे बढ़ाने के बदले उसे उल्टी दिशा में मोड़ देना ही होता है। आंकड़ों में विकास का प्रचार वस्तुत: षड्यंत्रों से सत्ता प्राप्त करने वाले राजाओं की तरह अपनी अकर्मण्यताओं का ही बखान उपलब्धियों के रूप में किया करते है।

–रामनिवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

छह इंच की स्क्रीन और भविष्य की सुरक्षा: डिज़िटल युग की नई चुनौती

अशोक कुमार

आज के डिजिटल युग में पेरेंटिंग या परवरिश की परिभाषा पूरी तरह बदल चुकी है। पहले माता-पिता की चिंता यह होती थी कि बच्चा बाहर धूप में न खेले या गलत संगत में न पड़े, लेकिन आज सबसे बड़ी चुनौती बच्चे के हाथ में मौजूद वह 6 इंच की स्क्रीन है, जो पूरी दुनिया को समेटे हुए है। डिजिटल पेरेंटिंग का अर्थ केवल बच्चों को तकनीक से दूर रखना नहीं है, बल्कि उन्हें तकनीक का सही, सुरक्षित और संतुलित उपयोग सिखाना है। यहाँ डिजिटल पेरेंटिंग के विभिन्न पहलुओं, चुनौतियों और समाधानों पर एक विस्तृत चर्चा दी गई है:

1. डिजिटल पेरेंटिंग की आवश्यकता क्यों?

भारत जैसे देश में, जहाँ इंटरनेट डेटा सबसे सस्ता है, वहाँ बच्चों की पहुँच हर तरह के कंटेंट तक बहुत आसान हो गई है। जैसा कि हमने चर्चा की, अब शिक्षा में भी एनीमेशन और अनौपचारिक भाषा का प्रवेश हो रहा है। ऐसे में माता-पिता की भूमिका एक फिल्टर की तरह हो जाती है।

कंटेंट का सैलाब: इंटरनेट पर ज्ञान के साथ-साथ कचरा भी मौजूद है। बिना मार्गदर्शन के बच्चा यह तय नहीं कर पाता कि उसके लिए क्या सही है।

सुरक्षा का सवाल: साइबर बुलिंग, ऑनलाइन ठगी और अनुपयुक्त कंटेंट (जैसे हिंसा या अश्लीलता) से बच्चों को बचाना डिजिटल पेरेंटिंग का प्राथमिक लक्ष्य है।

2. मुख्य चुनौतियाँ: जहाँ माता-पिता चूक जाते हैं

अ. डिजिटल बेबीसिटर की प्रवृत्ति:

आजकल माता-पिता खुद को व्यस्त रखने या बच्चे को शांत करने के लिए उसे मोबाइल थमा देते हैं। खाना खिलाते समय या सफर के दौरान मोबाइल देना एक लत की शुरुआत है।

ब. ज्ञान का अभाव:

कई बार बच्चे तकनीक के मामले में अपने माता-पिता से कहीं आगे होते हैं। माता-पिता को पता ही नहीं होता कि पेरेंटल कंट्रोल क्या है या बच्चा पर्दे के पीछे क्या देख रहा है।

स. भाषा और व्यवहार पर प्रभाव:

एब्यूजिव लैंग्वेज वाले बच्चा ऐसे वीडियो देखता है जिसमें शिक्षक या पात्र अपशब्दों का प्रयोग करते हैं, तो वह उसे ही कूल और सामान्य मान लेता है। डिजिटल दुनिया में भाषाई मर्यादा बहुत तेज़ी से गिर रही है।

3. डिजिटल पेरेंटिंग के नकारात्मक प्रभाव (यदि ध्यान न दिया जाए)

शारीरिक स्वास्थ्य: आँखों की कमजोरी, मोटापा और नींद की कमी।

मानसिक स्वास्थ्य: एकाठाता में कमी, चिड़चिड़ापन और अकेलापन।

सामाजिक कौशल का ह्रास: बच्चा स्क्रीन के साथ तो घंटों बिता सकता है, लेकिन वास्तविक जीवन में लोगों से बात करने में उसे झिझक होने लगती है।

4. एक प्रभावी डिजिटल पेरेंट कैसे बनें? (समाधान और रणनीतियाँ)

डिजिटल पेरेंटिंग का मतलब तानाशाही नहीं, बल्कि सहयोग है। इसके लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं:

क. उम्र के अनुसार नियम तय करें

0-2 वर्ष: अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के अनुसार, इस उम्र में स्क्रीन से पूरी तरह बचना चाहिए।

2-5 वर्ष: दिन में अधिकतम 1 घंटा, वह भी माता-पिता की निगरानी में।

6 वर्ष से ऊपर: पढ़ाई और मनोरंजन के बीच एक स्पष्ट संतुलन।

ख. डिजिटल डिटॉक्स और नो-फोन जोन

घर में कुछ नियम बनाएँ, जैसे: खाना खाते समय कोई मोबाइल नहीं। सोने से 1 घंटा पहले सभी गैजेट्स बंद।

रविवार का कुछ समय नो-गैजेट डे के रूप में मनाना।

ग. कंटेंट की गुणवत्ता की जाँच

अगर बच्चा एनिमेटेड वीडियो से पढ़ रहा है, तो पहले आप उसे देखें। क्या उसमें इस्तेमाल की गई भाषा आपके परिवार के संस्कारों के अनुरूप है? जैसा कि हमने चर्चा की, शिक्षा में मनोरंजन अच्छी बात है, लेकिन अभद्रता नहीं।

घ. तकनीक का उपयोग सीखने के लिए करें, खोने के लिए नहीं

बच्चे को सिखाएं कि इंटरनेट केवल वीडियो देखने के लिए नहीं है। उसे कोडिंग, डिजिटल पेंटिंग, नई भाषाएँ सीखने या जानकारी खोजने के लिए प्रोत्साहित करें।

ङ. खुद एक उदाहरण बनें

डिजिटल पेरेंटिंग की सबसे बड़ी चुनौती खुद माता-पिता हैं। यदि आप खुद बच्चे के सामने हर समय फोन पर लगे रहेंगे, तो बच्चा आपकी बात कभी नहीं मानेगा। बच्चे वही करते हैं जो वे देखते हैं, वह नहीं जो उन्हें कहा जाता है।

5. किताबी ज्ञान और डिजिटल शिक्षा का संतुलन

बच्चे किताबों से दूर हो रहे हैं। डिजिटल पेरेंटिंग का एक बड़ा हिस्सा यह सुनिश्चित करना है कि बच्चा कागज और स्याही की दुनिया से जुड़ा रहे। बच्चों को लाइब्रेरी ले जाएँ। उनके साथ बैठकर कहानियाँ पढ़ें। उन्हें समझाएं कि वीडियो केवल एक झलक है, जबकि असली गहराई किताबों में ही मिलती है।

6. निष्कर्ष-- डिजिटल पेरेंटिंग कोई एक दिन का काम नहीं है, बल्कि यह एक निरंतर प्रक्रिया है। हमें बच्चों को तकनीक से डराना नहीं है, बल्कि उन्हें इतना समझदार बनाना है कि वे खुद सही और गलत के बीच फर्क कर सकें। भारत में आ रहे एनीमेशन आधारित शिक्षा के नए दौर में, माता-पिता को और भी सतर्क रहना होगा। शिक्षा में आधुनिकता का स्वागत है, लेकिन वह हमारे सांस्कृतिक मूल्यों, भाषा की शुचिता और किताबों की महत्ता की बलि देकर नहीं आनी चाहिए।

बच्चे को मोबाइल देना आसान है, लेकिन उसे संस्कार देना कठिन। डिजिटल युग में असली पेरेंटिंग वही है जो कठिन रास्ते को चुने।"

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

पाटन : कोला की नांगल विद्यालय को अन्य विद्यालय में मर्ज करने का विरोध

शिक्षा निदेशालय के जारी आदेश में कोला की नांगल विद्यालय भवन को जर्जर बताते हुए इसे रैया का बास विद्यालय में मर्ज करने का निर्देश दिया गया था

पाटन, (निसं)। इलाके के कोला की नांगल स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय को रैया का बास के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में मर्ज किए जाने के आदेश के विरोध में गुरुवार को ग्रामीणों का आक्रोश देखने को मिला। दर्जनों ग्रामीणों ने मुख्य ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) को ज्ञापन सौंपते हुए विद्यालय को यथावत कोला की नांगल में ही संचालित रखने की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि कोला की नांगल के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में वर्तमान में 152 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। शिक्षा निदेशालय द्वारा 29 दिसंबर को जारी आदेश में विद्यालय भवन को जर्जर बताते हुए इसे रैया का बास विद्यालय में मर्ज करने का निर्देश दिया गया था। जैसे ही ग्रामीणों को इस आदेश की जानकारी मिली, उन्होंने इसका विरोध शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि विद्यालय भवन जर्जर नहीं है। विद्यालय में पहले से ही 7 कमरे सुरक्षित स्थिति में हैं तथा हाल ही में जन सहयोग से 3 अतिरिक्त कमरों की मरम्मत करवाई गई है। ऐसे में विद्यालय को मर्ज करने का कोई औचित्य नहीं है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि कोला की नांगल से रैया का बास की दूरी लगभग 3 किलोमीटर है, जिसका रास्ता जंगल और सुनसान क्षेत्र से होकर गुजरता है। छोटे बच्चों के लिए इस मार्ग से रोजाना आना-जाना बेहद असुरक्षित है और किसी भी प्रकार की अनहोनी की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि विद्यालय को कोला की नांगल में यथावत नहीं रखा गया तो वे अपने बच्चों को रैया का बास विद्यालय नहीं भेजेंगे। साथ ही मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की भी चेतावनी दी। इस दौरान सीबीईओ भंवर सिंह एवं एसीबीईओ महेश मीणा ने ग्रामीणों से वार्ता कर उनकी समस्याएं उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने तथा विद्यालय को यथावत रखने का प्रयास करने का आश्वासन दिया।

ग्रामीणों ने मुख्य ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) को ज्ञापन सौंपा।

- ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय में पहले से ही 7 कमरे सुरक्षित स्थिति में हैं तथा हाल ही में जन सहयोग से 3 अतिरिक्त कमरों की मरम्मत कराई गई है
- कोला की नांगल से रैया का बास की दूरी लगभग 3 किमी है, जिसका रास्ता जंगल और सुनसान क्षेत्र से होकर गुजरता है

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 2 जनवरी, 2026

पौष मास, शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, मृगशिरा नक्षत्र सायं 8:04 तक, शुक्ल योग दिन 1:07 तक, गर करण प्रात: 8:38 तक, चन्द्रमा आज प्रात: 9:26 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-वृष, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग रात्रि 8:04 तक है। राजयोग सायं 6:54 से रात्रि 8:04 तक है। भद्रा सायं 6:54 से आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:38 तक, लाभ-अमृत 8:38 से 11:13 तक, शुभ 12:31 से 1:48 तक, चर 4:23 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:41

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मन में बना हुआ भय समाप्त होगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मीन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

संक्षिप्त

वन्यजीव संरक्षण पखवाड़ा 6 से

कोटा, (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत शिक्षा विभाग कर्मचारी सहकारी सभा 696 आर तथा राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाईड के संयुक्त तत्वावधान में 6 से 20 जनवरी तक वन एवं वन्य जीव संरक्षण पखवाड़े का आयोजन किया जाएगा। शिक्षा सहकारी के अध्यक्ष एवं स्काउट गाईड के जिला प्रधान प्रकाश जायसवाल ने बताया कि पखवाड़े के अंतर्गत वन्य जीवों के लिए दाना पानी की व्यवस्था, पैदल हाईक, साइकिल रैली, वन भ्रमण, जनजागरण रैली आदि गतिविधियों आयोजित होंगी। साथ ही, प्रश्नोत्तरी, निबंध, स्लोगन, खेलकूद, वनस्पतियों एवं वन्य जीवों को जानो, चित्रकला, भाषण आदि की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। उपाध्यक्ष महेंद्र नागर एवं मंत्री जमनालाल गुर्जर ने बताया कि संस्था अध्यक्ष प्रकाश जायसवाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिए गए निर्णय के तहत आगामी समय में सड़क सुरक्षा पखवाड़े का आयोजन, राज्य स्तरीय खिलाडियों, राज्य पुरस्कार प्राप्त स्काउट गाईड, रोवर रेंजर एवं ए प्रमाण पत्र प्राप्त एनसीसी कैडेट का शैक्षिक भ्रमण, महिला सशक्तिकरण, महापुरुष/शहीदों को नमन, बाल विवाह उन्मूलन आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही, रक्तदान शिविरों का आयोजन भी बदस्तूर जारी रहेगा।

तीन दिवसीय शिविर कल से

कोटा, (निसं)। तीन दिवसीय निरामया प्राकृतिक चिकित्सा सेवा शिविर 3 से 5 जनवरी तक सनाढ्य भवन महावीर नगर प्रथम में प्रात: 9 बजे से आयोजित किया जाएगा। आयोजक प्रकाशचंद गुप्ता ने बताया कि शिविर में प्राकृतिक संसाधनों के द्वारा घुटने का दर्द, कमर दर्द, साइटिका तथा सर्वाइकल के दर्द का इलाज किया जाएगा। जिसके लिए निशुल्क पंजीकरण किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शिविर में डॉ. विनीत केटकर, डॉ.गीता वेलशेखर, डॉ.मधुमिता बरुआ, डॉ.कनुमाला राजगोपाल, डॉ.पूजा, डॉ.राधिका जैन इंदौर चिकित्सा एवं परामर्श करेंगे। शिविर में सनाढ्य ब्राह्मण सेवा समिति, सेठ जानकीलाल पटेल जनकल्याण सेवा ट्रस्ट, आयरन मैन जिम, सत्यार्थ मुनि, आर्य समाज महावीर नगर प्रथम का भी सहयोग रहेगा।

आरोपी लोन ऑफीसर गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा पुलिस टीम ने भारत फाइनेंस कंपनी के कलस्टर मैनेजर की शिकायत पर धोखाधड़ी के दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए कंपनी के लोन ऑफीसर को गिरफ्तार किया है। बोरखेड़ा थाना अधिकारी अनिल टेलर ने बताया कि 9 अक्टूबर 2025 को भारत फाइनेंस लिमिटेड कंपनी के क्लस्टर मैनेजर ने थाने में शिकायत दी थी। शिकायत में कहा कि ब्रांच में लोन ऑफिसर के पद पर कार्यरत योगेश सैनी ने करीब 20 सदस्यों के साथ धोखाधड़ी कर अलग-अलग माध्यम से रूपए लिए और बैंक में जमा नहीं करने के स्थान पर अपने पास रख लिए। रिपोर्ट में कहा कि लोन ऑफिसर योगेश सैनी ने धोखाधड़ी कर बैंक के साथ कुल 10,68,338, रुपए का गबन किया है। थाना अधिकारी ने बताया की फरियादी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया मामले में अनुसंधान करते हुए बैंक के लोन ऑफिसर बूंदी निवासी योगेश सैनी को गिरफ्तार किया गया।

बनखंडी बालाजी धाम में उमड़ी भीड़

कोटा, (निसं)। नववर्ष के अवसर पर बनखंडी बालाजी तपोभूमि आश्रम श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के रंग में रंगा नजर आया। 31 दिसंबर की संध्या को आयोजित भव्य भजन संध्या के साथ हजारों श्रद्धालुओं ने बालाजी महाराज के दर्शन कर नए वर्ष का स्वागत उमंग और आनंद के साथ किया। 1 जनवरी को विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

नवनिर्मित टाउन हॉल सहित 29 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण

- रामगढ़ विषधारी टाईगर रिजर्व के माध्यम से इको-टूरिज्म के क्षेत्र में बून्दी को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी : ओम बिरला
- 'तालेड़ा क्षेत्र में 19 एग्रो प्लांट लग चुके हैं, जिससे बून्दी एग्रो-इंडस्ट्री के रूप में उभर रहा है'

कोटा, (निसं)। नया वर्ष विकास के नए संकल्पों का वर्ष होगा और बून्दी के विकास को लेकर जो हमने प्रयास शुरू किए थे उनके परिणाम आपको नजर आएंगे। बून्दी विकास के क्षेत्र में अग्रणी बने, पर्यटन नगरी की पहचान देश-दुनिया में स्थापित हो ये हमारा संकल्प है। बून्दी के सर्वांगीण विकास के लिए जन अपेक्षाओं के अनुरूप कार्ययोजना बनाई है और आने वाले समय में बून्दी विकास, पर्यटन, कृषि और उद्योग के क्षेत्र में एक नई पहचान स्थापित करेगा।

गुरूवार को बून्दी में नगर परिषद द्वारा नवनिर्मित टाउन हॉल व विभिन्न सड़कों के विकास कार्यों के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए यह बात लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कही। बिरला ने कहा कि रामगढ़ विषधारी टाईगर रिजर्व के माध्यम से इको-टूरिज्म के क्षेत्र में बून्दी को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। 2027 में एयरपोर्ट से उड़ान प्रारम्भ होगी इसका लाभ बून्दी के औद्योगिक विकास और पर्यटन को मिलेगा। बिरला ने कहा कि बून्दी को एग्रो हब बनाने के प्रयासों में बड़ी सफलता मिली है। मदर डेयरी का फूड प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित हो रहा है, अकेले तालेड़ा क्षेत्र में 19 एग्रो प्लांट लग चुके हैं, जिससे बून्दी एग्रो-इंडस्ट्री के रूप में उभर रहा है। किसानों को खेती की आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए एग्रो-टेक मेले का आयोजन किया जाएगा, जिससे उन्हें प्रशिक्षण और नई कृषि तकनीकों की जानकारी मिलेगी।

सेंड स्टोन के प्रोत्साहन के लिए स्टोन पार्क का निर्माण भी शीघ्र होगा। गरडदा और नौनेरा परियोजनाओं के माध्यम से आगामी दो वर्षों में हर घर तक पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। ऑडिटोरियम की मिली सौगात-कार्यक्रम के दौरान 29 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण हुआ। 20 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित टॉउन हॉल में 800 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है। इसके साथ ही 12 कमरे और 2 अतिरिक्त हॉल का भी निर्माण किया गया है। टाउन हॉल सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक और सार्वजनिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा। साथ ही विभिन्न आयोजनों, सम्मेलनों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और जनसंवाद के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

संवाद कार्यक्रम 3 जनवरी को

बूंदी। राजस्थान राज्य अन्य पिछडा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व) आयोग के निर्देशानुसार 3 जनवरी को दोपहर 2.30 बजे से जिला मुख्यालय पर जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जनसुनवाई व संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्य में अन्य पिछडा वर्ग के पिछडेपन और उनके राजनैतिक प्रतिनिधित्व से जुडे विभिन्न पहलुओं पर आमजन और सरोकारों से जुडे पक्षों के साथ विस्तृत चर्चा की जाएगी। अतिरिक्त जिला कलक्टर रामकिशोर मीणा ने बताया कि संवाद आम नागरिकों, राजनैतिक प्रतिनिधियों, विभिन्न संस्थाओं और हितबद्ध व्यक्तियों के विचार करने के साथ ही सुझाव लिए जाएंगे। कार्यक्रम के संचालन के लिए जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा को ग्रामीण क्षेत्रों तथा शहरी क्षेत्र के लिए नगर परिषद के आयुक्त धर्मेन्द्र कुमार मीणा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सार-समाचार

अब एक साथ मिलेगा पट्टा, भवन निर्माण और विक्रय स्वीकृति

कोटा, (निसं)। नगर निगम में पट्टे के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति को अब पट्टा, जी प्लस वन की भवन निर्माण स्वीकृति तथा विक्रय स्वीकृति एक साथ जारी कर दी जाएगी। इसी तरह यदि कोई नाम हस्तांतरण के लिए आवेदन करता है तो उसे भी विक्रय स्वीकृति साथ में ही जारी कर दी जाएगी। निगम में होने वाले विभिन्न कार्यों के लिए समय सीमा भी निर्धारित कर दी गई है। निर्धारित समय सीमा में आवेदन का निस्तारण नहीं करने वाले या अनावश्यक चक्कर लगवाने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। जनता को राहत देने के लिए संभागीय आयुक्त एवं नगर निगम प्रशासक अनिल कुमार अग्रवाल के निर्देशन में निगम आयुक्त ओमप्रकाश मेहरा ने गुरूवार को नियमों में सरलीकरण करते हुए इसके आदेश जारी किए हैं। आयुक्त मेहरा ने बताया कि पूर्व में आवेदक पहले पट्टे के लिए निगम में आता था, पट्टा जारी होने पर भवन निर्माण स्वीकृति और फिर भविष्य में आवश्यकता होने पर विक्रय स्वीकृति के लिए चक्कर काटता था। इसी तरह कि प्रक्रिया नाम हस्तांतरण और विक्रय स्वीकृति के मामले में भी होती थी। शहरी समस्या समाधान शिविरों में आए परिवादों की समीक्षा के दौरान आमजन के बार-बार चक्कर काटने तथा विभिन्न कार्यों के समयावधि में पूरे नहीं होने की बात सामने आई। इसको देखते हुए अब निर्णय लिया गया है कि आवंटी के पक्ष में पट्टा जारी किये जाने पर पट्टा शुल्क के साथ भूतल 01 तल की निर्माण स्वीकृति शुल्क और विक्रय स्वीकृति शुल्क भी जमा कर पट्टे के साथ-साथ निर्माण स्वीकृति व विक्रय स्वीकृति भी जारी कर दी जाएगी।

कार से उठ रहे धुएं पर काबू पाया

छबड़ा। नववर्ष के अवसर पर गुगोर फाटक के निकट एक कार में धुआं निकलने से कार में सवार महिलाएं सहित बच्चे व राहगीर सकते में आ गए। मौके पर पहुंचे बापचा पुलिस कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए आवष्यक यंत्र के माध्यम से धुएं को बुझाया। बापचा थाने के हैड कांस्टेबल कम्पोटर सिंह के अनुसार कवाई निवासी षंभूदयाल नागर कार में परिवार सहित गुगोर स्थित बीजासन माता मंदिर पर ढोक लगाने जा रहे थे कि रेलवे फाटक के निकट कार के बोनट से अचानक धुआं उठने लगा। इसे देख कार में सवार लोग व राहगीर अचंभित हो गए। फाटक लगा होने के कारण कुछ ही दूरी पर बापचा पुलिस का वाहन खड़ा था। घटना की जानकारी मिलने के उपरांत वह महिला कांस्टेबल मीना व रोहित के साथ मौके पर पहुंचे और तत्परता दिखाते हुए कार में सवार चालक सहित तीन महिलाएं व बच्चों को कार से बाहर निकाला और आवष्यक यंत्र के माध्यम से धुएं पर काबू पाया। संभवतया: अगर पुलिस कर्मी समय पर नही पहुंचते थे तो घटना बड़ा रूप भी ले सकता था। षंभूदयाल नागर का कहना है कि कार में क्लच प्लेट सम्बंधी समस्या थी। उन्होने बापचा पुलिस कर्मियों द्वारा तत्परता दिखाते हुए किए गए सहयोग पर आभार जताया।

ट्रेवल मार्ट का उद्घाटन आज

कोटा, (निसं)। होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान की ओर से 2 से 4 जनवरी तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय कोटा हाड़ौती ट्रेवल मार्ट का उद्घाटन समारोह का आयोजन शुक्रवार शाम को 5 बजे शौर्य घाट, रिवर फ्रंट पर होगा। उद्घाटन समारोह में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, उपमुख्यमंत्री व पर्यटन मंत्री दिया कुमारी, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, लाड़पुरा विधायक कल्पना देवी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, होटल फेडरेशन के पदाधिकारी एवं पर्यटन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर कोटा हाड़ौती ट्रेवल मार्ट के आगाज की घोषणा कर विधिवत उद्घाटन होगा एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ आतिशबाजी भी की जाएगी। होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान कोटा संभाग के अध्यक्ष अशोक माहेश्वरी ने बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न जिलों व हाड़ौती से करीब 150 से अधिक कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएंगी। कार्यक्रम के दूसरे दिन शनिवार 3 जनवरी को आर्ट हिल सिटी पार्क में हाड़ौती को किस तरह से आइटनरी में शामिल किया जाए इसके लिए ट्रेवल मार्ट में आए देश भर के टूर ऑपरेटरों के साथ बी-2 मीटिंग की जाएगी।

शीतलहर ने बढ़ाई ठिठुरन, अलाव बने सहारा

बूंदी। गुरुवार को नए साल की शुरुआत सीजन की पहली मावठ के साथ हुई। गुरुवार सुबह 6 बजे के आसपास हल्की बूंदाबांदी शुरू हुई, जो सुबह 9:30 बजे तक जारी रही। इसके साथ ही सुबह घना कोहरा छा गया।

मावठ से पहले भी 2 दिनों से जिलें में हल्के बादल छाए रहे थे, जिससे तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। न्यूनतम तापमान सिंगल डिजिट से बढ़कर डबल डिजिट में पहुंच गया था। मौसम विभाग ने 3 जनवरी तक घने है। कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण जिलें में बारिश की संभावना जताई गई थी, जिसके परिणामस्वरूप आज सुबह हल्की बारिश हुई। मावठ के बाद अब तापमान में गिरावट और सर्दी बढ़ने की संभावना है। इस दौरान तेज सर्दी पड़ने की उम्मीद पिछले एक सप्ताह के तापमान आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को जिलें में अधिकतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मंगलवार को अधिकतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रहा। सोमवार को अधिकतम तापमान 23 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

पेट्रोल पंप व्यवसायी को मातृ शोक, नेत्रदान कराया

कोटा, (निसं)। पिछले एक माह से बूंदी जिले की कापरेन क्षेत्र में शाईन इंडिया फाउंडेशन और भारत विकास परिषद के नेत्रदान अंगदान देहदान जागरूकता अभियान से क्षेत्र कापरेन में काफी जागरुकता बढ़ी हैं।

बीते 15 दिन पहले, अड़ीला निवासी शिक्षक एवं समाजसेवी स्व. छोटू लाल बाथरा के आकस्मिक निधन के उपरांत, परिजनों ने उनके नेत्रदान और देहदान संपन्न करवाए थे। उसके बाद से करीब 23 लोगों ने नेत्रदान संकल्प और तीन व्यक्तियों ने देहदान के संकल्प पत्र परिषद के साथ भरे हैं। इसी क्रम में, मंगलवार दोपहर कोटा रोड कापरेन निवासी पेट्रोल पंप व्यवसाय ताराचंद गर्ग की माताजी रामप्यारी बाई का आकस्मिक निधन हुआ संस्था के ज्योति मित्र और भारत विकास परिषद के सक्रिय सदस्य शाखा संरक्षक ललित कुमार टेलर ने तुरंत ही ताराचंद गर्ग से माताजी के नेत्रदान करवाने के लिए अनुरोध किया।

ताराचंद ने तुरंत ही सहमति दे दी, इसके उपरांत ललित टेलर की सूचना पर, कोटा से शाईन इंडिया फाउंडेशन और ईबीएसआर बीबीसी चैप्टर कॉर्डिनेटर डॉ. कुलवंत गौड़ कापरेन पहुंचे, और परिवार के सभी सदस्यों के बीच में डॉ.गौड़ ने रामप्यारी के पार्थिव शव से नेत्रदान प्राप्त किया।

नेत्रदान प्रक्रिया के बाद डॉ कुलवंत गौड़ ने मुक्तिधाम पहुंचकर भी उपस्थित लोगों को नेत्रदान के बारे में छोटी से छोटी जानकारी उपलब्ध करायी। 10 मिनट में होने वाली नैत्रदान की प्रक्रिया में किसी तरह का कोई रक्त नहीं निकला, न ही चेहरे पर कोई विकृति आयी।

ज्ञात हो कि, 2 वर्ष से 80 वर्ष तक कि उम्र की मृत्यु में 8 घंटो तक नैत्रदान संभव है, सर्दियों में 10 से 12 घंटे तक भी नैत्रदान संभव है, और यदि शव को डीपफ्रीज़ में रख दिया है, तो 24 घंटे तक भी नैत्रदान संभव है।

ब्राह्मण कल्याण परिषद के स्थापना दिवस पर 276 यूनिट रक्तदान

कोटा, (निसं)। ब्राह्मण कल्याण परिषद द्वारा अपने 11वें स्थापना दिवस के अवसर पर गोदावरी धाम परिसर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 276 यूनिट रक्तदान हुआ।

शिविर में नारी शक्ति एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाकर समाजसेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना के साथ गोदावरी धाम के महंत शैलेंद्र भार्गव द्वारा किया गया। परिषद के संयोजक अनिल तिवारी ने बताया कि यह रक्तदान शिविर समाजसेवा की भावना से प्रेरित होकर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने स्वैच्छा से रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया। बरसात के बाद भी रक्तदाताओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। शिविर प्रात: 8.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक निरंतर चलता रहा और रक्तदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास, पुलिस अधिकारी नवल शर्मा, कांग्रेस नेता शिवकांत नंदवाना, ब्राह्मण कल्याण परिषद के संभागीय अध्यक्ष बृजराज गौतम एवं महानगर अध्यक्ष धर्मेंद्र दीक्षित ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। शिविर में गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज अध्यक्ष विशाल शर्मा, आयुर्वेद कॉलेज कोटा के प्राचार्य नित्यानंद शर्मा, पार्षद सुनील गौतम, ओम तनकारिया, किशन पाठक सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित रहकर रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर संभागीय महिला अध्यक्ष डॉ. शीला तिवारी, ब्रिजेशकांत शर्मा, दिनेश शर्मा, लोकेश शर्मा, अरुण भार्गव, दिलीप औदीच्य, राकेश शर्मा, डॉ. मनोज शर्मा, विनीत बाजपेई, पीयूष शर्मा, बुद्धि प्रकाश दाधीच, प्रमोद जोशी, डॉ. मनीष तिवारी, विनोद शर्मा, अशोक मिश्रा, अमित ठाकुर, दिग्विजय शुक्ला, इंद्र नारायण शर्मा, चंद्रप्रकाश गौतम, कुशाग्र शर्मा, पुरुषोत्तम पंचोली, चेतन शर्मा, हर्षित गौतम, विशाल पारीक, भारत उपाध्याय, गोपाल शर्मा, अनिल शर्मा, कमल शर्मा, सत्यनारायण पारीक, देवजीत शर्मा, आशा मिश्रा, रानी पारीक, रेखा जोशी, पवन शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने किया मेले का शुभारंभ

बूंदी। टाइगर हिल स्थित मांधाता बालाजी के 1 जनवरी से 4 जनवरी तक आयोजित होने वाले मेले का लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रामायण की पूजा अर्चना, आरती कर शुभारंभ किया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मांधाता बालाजी से देश-प्रदेश और जिले में सुख समृद्धि की कामना की। टाइगर हिल पहुंचने पर मेला समिति द्वारा ओम बिरला का माल्यार्पण कर, साफा बंधवाकर अभिनंदन किया गया मेला समिति ने मांधाता बालाजी के विकास के लिए ज्ञापन भी सौंपा।

इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष रामेश्वर मीणा, जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा, पूर्व जिला प्रमुख राकेश बोयत, जिला महामंत्री संजय लाठी, शहर अध्यक्ष राजकुमार श्रृंगी, मन की बात जिला संयोजक भरत शर्मा, मेला संयोजक गौरव वर्मा , वानर सेना जिला अध्यक्ष स्वप्नेश शर्मा, शहर महामंत्री संजय भूटानी पूर्व शहर अध्यक्ष महावीर खंगार, शहर प्रवक्ता अभिषेक जैन, मंडल प्रभारी अशोक शर्मा, शहर मंत्री चेतन पंचोली, पार्षद नवीन सिंह, आशीष शर्मा, टिल्लू सोमानी, नितेश शर्मा, संदीप श्रृंगी, मोहन कराड़, प्रदीप श्रीमाल, विनोद गर्ग, दीपक पंचोली, बंटी शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

बिरला को मांग पत्र सौंपा

बून्दी। नगर परिषद के तत्वाधान में आज नवनिर्मित टाउन हॉल के लोकार्पण समारोह में पहुंचे कोटा-बून्दी लोकसभा सांसद एवं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को दिव्यांग विकास संगठन एवं भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ की ओर से दिव्यांगजनों की मांगों का मांगपत्र प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर दिव्यांग विकास संगठन के अध्यक्ष हेमराज मीणा, संरक्षक सुरेंद्र सिंह सोलंकी, संयोजक कपूरचंद्र सेठिया, मीडिया प्रभारी भोलाशंकर, श्याम सैनी, श्योजीलाल सैनी, मदनलाल चौकीदार, धर्मराज सैनी, खलील, महावीर सैनी, सुलखन सिंह, विश्वेन्द्र सिंह सोलंकी एवं योगेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

नवनिर्मित नेचुरोपैथी विभाग का उद्घाटन

- रेलवे चिकित्सालय में कर्मचारियों को मिलेगा स्वास्थ्य लाभ

कोटा, (निसं)। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल स्थित मंडल रेलवे चिकित्सालय में गुरूवार को प्राकृतिक चिकित्सा विभाग का औपचारिक उद्घाटन किया गया। इस नवनिर्मित एवं विस्तारित प्राकृतिक चिकित्सा विभाग का उद्घाटन मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा एवं महिला कल्याण संगठन, कोटा मंडल की अध्यक्षा अंशु कालरा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

इसके साथ ही "विश्रांति" उपवन में वृक्षारोपण भी किया गया, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि मंडल रेलवे चिकित्सालय में कर्मचारी हित निधि उप समिति द्वारा संचालित इस प्राकृतिक चिकित्सा विभाग का प्रारंभ मार्च 2025 से किया गया था, जिसे अब विस्तारित करते हुए पूर्ण विकसित विभाग का स्वरूप दिया गया है। पूर्व में यह सुविधा सीमित समय एवं एक कक्ष में संचालित होती थी, जबकि अब इसके लिए पृथक हॉल, आवश्यक उपकरण, रोगियों के लिए वार्ड तथा प्राकृतिक वातावरण से युक्त उद्यान विकसित किया गया है। इस प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र में पंचतत्व आधारित उपचार पद्धति के माध्यम से रोगियों का इलाज किया जाएगा। विभाग में कार्यरत चिकित्सक डॉ.चंद्रजीत शर्मा द्वारा प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक सेवाएं प्रदान की जाएंगी। उपचार में आहार चिकित्सा, जल चिकित्सा, सूर्य चिकित्सा, वायु चिकित्सा, मिट्टी चिकित्सा, योग, प्राणायाम, ध्यान सहित सहायक उपचार पद्धतियों को शामिल किया गया है। वर्तमान समय की तेज़ रफ्तार और तनावपूर्ण जीवनशैली के कारण मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, मानसिक तनाव, अनिद्रा जैसी जीवनशैली संबंधी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में प्राकृतिक चिकित्सा एक सुरक्षित, किफायती एवं दीर्घकालिक स्वास्थ्य समाधान के रूप में उपयोगी सिद्ध हो रही है, जो शरीर की स्व-चिकित्सा क्षमता को सक्रिय कर रोग के मूल कारणों को दूर करने पर आधारित है। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक ललित कुमार धुरंधर, एवं योगेश कुमार मित्तल, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सुपर्णा सेन रॉय, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सुप्रकाश सहित मंडल के विभिन्न विभागों के शाखा अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय पंचायत समिति छीपाबडौद जिला बारां (राज.)

क्रमांक-पं.स.छी/2025-26/1530 **विज्ञप्ति** दिनांक-21.12.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पंचायत समिति छीपाबडौद की इकलेरा रोड पर स्थित दुकानों की दिनांक 22.01.2026 को दोपहर 12:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक खुली धरोहर राशि की बोली निलामी की जावेगी। निलामी की शर्त कार्यालय समय में कार्यालय में देखी जा सकती है। इच्छुक व्यक्ति 10,000/- रु धरोहर राशि जमा करवाकर बोली में भाग ले सकता है।

क्र. सं.	दुकान का नम्बर	दुकान जहां स्थित है।	साईज	किराया मासिक	क्र. सं.	दुकान का नम्बर	दुकान जहां स्थित है।	साईज	किराया मासिक
1.	S-1	पंचायत समिति छीपाबडौद, इकलेरा मेन रोड पर	10X15	2700	10.	S-10		10X15	2700
2.	S-2		10X15	2700	11.	S-11		10X15	2700
3.	S-3		10X15	2700	12.	S-12		10X15	2700
4.	S-4		10X15	2700	13.	S-13		10X15	2700
5.	S-5		10X15	2700	14.	S-14		10X15	2700
6.	S-6		10X15	2700	15.	S-15		10X15	2700
7.	S-7		10X15	2700	16.	S-16		10X15	2700
8.	S-8		10X15	2700	17.	S-17		10X15	2700
9.	S-9		10X15	2700					

विकास अधिकारी, पंचायत समिति छीपाबडौद — प्रधान, पंचायत समिति छीपाबडौद

केंद्रीय मंत्री सिंधिया के जन्मदिन पर रक्तदान

कोटा, (निसं)। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री एवं सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के जन्मदिवस के अवसर पर महाराज माधवराव सिंधिया वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम कृष्णा रोटरी ब्लड बैंक, तलवंडी में दोपहर 12 बजे से संपन्न हुआ महाराज माधवराव सिंधिया वेलफेयर सोसाईटी के अध्यक्ष एवं भाजपा नेता इंद्र मोहन सिंह 'हनी' ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर समिति के सदस्यों एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं ने सिंधिया के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। महाराज माधवराव सिंधिया वेलफेयर सोसाईटी के अध्यक्ष एवं भाजपा नेता इंद्र मोहन सिंह 'हनी' ने जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ज्योतिरादित्य सिंधिया के जन्मदिवस पर सेवा भाव के अंतर्गत रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

प्रदेश के कई जिलों में बारिश के बाद सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ाई

मौसम विभाग ने आने वाले एक-दो दिनों तक सुबह के समय हल्की धुंध और ठंडी हवाओं का असर रहने की संभावना जताई

चूरू, (निसं)। चूरू जिले में नये साल की शुरुआत घने कोहरे और सर्द हवाओं के साथ हुई। बुधवार रात से बदले मौसम के मिजाज ने लोगों को ठिठुरा कर रख दिया। गुरुवार सुबह कोहरे के कारण विजिबिलिटी 100 मीटर से भी कम दर्ज की गई, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। इससे पूर्व बुधवार रात बूंदाबांदी से शुरू हुई बारिश जो रात करीब 11 बजे तक जारी रही। यह बारिश चने की फसल के लिए फायदेमंद होगी। बारिश के बाद चली सर्द हवाओं ने आमजन को ठिठुरा कर रख दिया है।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तरी हरियाणा और आसपास के क्षेत्र के ऊपर एक परिसंचरण तंत्र बना हुआ है। इसके असर से बीकानेर, जोधपुर, अजमेर संभाग और शेखावाटी क्षेत्र के कुछ जिलों में गरज-चमक के साथ मावठ (हल्की बारिश) होने की संभावना जताई है।

राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य के उत्तरी, पश्चिमी और पूर्वी भागों में 1 से 3 जनवरी को घना कोहरा और कहीं-कहीं अति घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। 2 जनवरी से मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है। शर्मा ने बताया कि राज्य के शेखावाटी क्षेत्र में 3 से 4 जनवरी के दौरान शीतलहर चलने की संभावना है। इस अवधि में न्यूनतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को अधिकतम तापमान 15.3 और न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बीकानेर में कोहरा छाने से विजिबिलिटी दस मीटर रही

बीकानेर, (निसं)। नया साल 2026 बीकानेर में कोहरे में लिपटकर पहुंचा। रात बारह बजे तक बीकानेर में घना कोहरा था, हालांकि सुबह तक मौसम कुछ साफ हो गया। सुबह छह बजे तक विजिबिलिटी दस मीटर के आसपास थी, लेकिन आठ बजे तक मौसम साफ होने से विजिबिलिटी बढ़ गई। बीकानेर में अब सर्दी और नमी बनी हुई है। लगातार हुई बारिश के कारण शहर की कई सड़कें अब भी पानी से सराबोर हैं, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को बीकानेर का अधिकतम तापमान 23.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बारिश के कारण न्यूनतम तापमान में करीब चार डिग्री सेल्सियस की कमी आई। बादलों की आवाजाही के बीच आज भी बीकानेर में हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के उत्तरी, पश्चिमी और पूर्वी भागों में 1 से 3 जनवरी तक घना, जबकि कुछ स्थानों पर अति घना कोहरा दर्ज हो सकता है। इससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित होने की आशंका है।

मौसम विभाग ने शेखावाटी क्षेत्र में 3 और 4 जनवरी के दौरान शीतलहर की चेतावनी जारी की है। इस दौरान न्यूनतम तापमान 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। हालांकि बीकानेर में शीतलहर की चेतावनी नहीं है और दो जनवरी से मौसम फिर से शुष्क हो जाएगा।

जोधपुर में मावठ के बाद मौसम साफ रहा, धूप खिली

जोधपुर, (कासं)। शहर में बुधवार को हुई मावठ की बारिश के बाद गुरूवार फिर मौसम ने करवट ली। सुबह के समय पूरे शहर में हल्की धुंध छाई रही, जिससे ठंडक का असर महसूस हुआ। बाद में धूप खिलने के साथ सर्दी में थोड़ी कमी आई।

सुबह के समय विजिबिलिटी कम रहने के कारण दिल्ली से आने वाली फ्लाइट्स अपने निर्धारित समय से देरी से जोधपुर एयरपोर्ट पहुंची। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, विजिबिलिटी कम होने के चलते विमानों की लैंडिंग में सावधानी बरती गई। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले एक-दो दिनों तक सुबह के समय हल्की धुंध और ठंडी हवाओं का असर बना रहेगा। जोधपुर में बुधवार शाम अचानक मौसम बदल गया था। इसके चलते आंधी के साथ ही हल्की बूंदाबादी भी हुई थी। जिससे तापमान में गिरावट नजर आई। वहीं मौसम भी ठंडा हो गया। हालांकि आगामी दिनों में कोहरा पड़ने की संभावना है।

- **विजिबिलिटी कम रहने से दिल्ली से आने वाली फ्लाइट्स अपने निर्धारित समय से देरी से जोधपुर एयरपोर्ट पहुंची**

मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण बादलों की आवाजाही के साथ सर्द हवाएं चलेंगी। इसके असर से अगले एक से दो दिन तक आसमान में बादल छाए रहने और कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी या मावठ होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार इससे तापमान में और गिरावट आएगी तथा ठंड का असर बढ़ेगा। विक्षोभ का असर खत्म होने के बाद ठंड और तेज हो सकती है, जिससे सुबह और रात के समय शीतलहर जैसी स्थिति बनने के आसार हैं।

जालोर में मौसम में आए बदलाव से ठंड बढ़ी

जालोर, (कासं)। जालोर जिले में बुधवार देर रात्रि व गुरुवार अलसुबह रिमझिम बारिश के बाद सुबह कोहरा छाया रहा। वहीं बारिश के बाद सर्दी ने रंग दिखाना शुरु कर दिया।

जालोर शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार को तेज हवा के साथ हुई बारिश और घने कोहरे के कारण जनजीवन प्रभावित रहा। मौसम में आए अचानक बदलाव से ठंड बढ़ गई और आवाजाही भी बाधित हुई। सुबह से ही क्षेत्र में घना कोहरा छाया रहा, जिसके कारण दोपहर तक वाहन चालकों को आवाजाही में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बुधवार शाम और रात में कई स्थानों पर तेज हवा के साथ बारिश हुई थी।

- **बारिश के बाद छाया कोहरा, सर्दी के तेवर तेज हुये, लोग गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आये**

गुरुवार सुबह भी मौसम में एकाएक बदलाव आया और कोहरा छा गया, जिससे ठिठूरन में वृद्धि हुई। दोपहर होते-होते धूप निकलने के साथ कोहरे का असर कम हुआ, हालांकि दिनभर कभी धूप तो कभी छांव का मौसम बना रहा। वहीं बेमौसम बारिश के चलते सर्दी ने तेवर दिखाने शुरु कर दिये है। दिनभर लोग गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आये।

कार में मिले 150 किलो विस्फोटक की जांच एनआईए ने शुरु की

टोंक, (निसं)। बरौनी थाना क्षेत्र में स्थित हाईवे पर बुधवार को कार में मिले 150 किलो विस्फोटक (अमोनियम नाइट्रेट) मामले में एनआईए ने जांच शुरू की है। इस दौरान टीम गुरुवार को टोंक पहुंची और आरोपी सुरेंद्र और सुरेंद्र मोची से पूछताछ की।

- **बरौनी थाना क्षेत्र में स्थित हाईवे पर कार में 150 किलो विस्फोटक (अमोनियम नाइट्रेट) मिलने का मामला**

मामले में जयपुर से एनआईए अधिकारियों की टीम बरौनी थाने पहुंची तथा आरोपियों से पूछताछ कर जानकारी जुटा रही है कि इतनी भारी मात्रा में विस्फोटक किस काम के लिए लेकर आए थे। इसके साथ ही क्या पहले भी किसी अन्य शहरों और लोगों को अमोनियम नाइट्रेट सप्लाई किया है या नहीं और इसे टोंक लाने के लिए क्या कारण था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आशंका है कि टोंक की पहाड़ियों में होने वाले अवैध खनन में भी अमोनियम नाइट्रेट का यूज होता है, जिसमें पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की टीम जानकारी जुटा रही है।

जब्त 150 किलो विस्फोटक (अमोनियम नाइट्रेट)।

रायसिंहनगर में 26 पशुओं की संदिग्ध मौत

रायसिंहनगर, (निसं)। क्षेत्र के गांव 74 आरबी में पशुपालक नाथूराम बेटा कोजाराम नायक की 26 भेड़-बकरियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस घटना में सात अन्य जानवर गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। नाथूराम के पास लगभग 1800 भेड़-बकरियां थी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंची और घायल पशुओं का इलाज शुरू किया। मृत पशुओं में 18 भेड़ें, 4 मेमने और 4 बकरियां शामिल हैं। प्राथमिक जांच में देर रात किसी जंगली जानवर के हमले की आशंका जताई जा रही है। उसी रात हुई लगातार रिमझिम बारिश और ठंड को भी मौत का एक संभावित कारण माना जा रहा है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि अभी तक नहीं हो पाई है। वन विभाग ने सभी मृत भेड़-बकरियों का पोस्टमॉर्टम करवा दिया है। वन विभाग के अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो पाएगा।

युवक ने आत्महत्या की

उदयपुर, (कासं)। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिल कुमार पुत्र फुंदीलाल मीणा ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। अनिल मादड़ी स्थित कुमावत एण्ड कंपनी में काम करता था। बुधवार रात में उसने वहां लगी चेनपुली से फांसी लगा ली। दूसरे दिन गुरूवार को इसका पता चलने पर हेडकांस्टेबल उम्मेदराम ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

कार्यालय नगर पालिका परतापुर गढी बांसवाडा (राज.)

क्रमांक: न.पा.प.ग./विद्युत/2025-26/2279 दिनांक : 29/12/2025

निविदा सूचना स.: 02/2025-26

(NIB NO. DLB2526A9646/2282)

सक्षम स्तर पर पंजीकृत संवेदक से 01 कार्यो के कुल लागत 11.25 लाख हेतु दिनांक 08/01/2026 सांय 6.00 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यालय में निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि डिमांड ड्राफट अथवा बैंकर चेक मे भौतिक रूप से दिनांक 09/01/2025 दोपहर 1 बजे तक जमा करवानी होगी। निविदा संबंधित अन्य शर्तें एव विवरण पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। एवं निविदा प्रपत्र डाउनलोड की जा सकती है।

UBN Number :- DLB2526WSOB28859

अधिशाषी अधिकारी

राज.संवाद/सी/25/16876 नगर पालिका परतापुर-गढी

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सुल्तानपुर

क्रमांक-2021 **निविदा सूचना संख्या 40/2025-26** दिनांक-24.12.2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन एवं सडक निर्माण कार्य के लिये उपयुक्त श्रेणी मे सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान मे पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्व इत्यादि में पंजीकृत संवेदको, जो कि राजस्थान सरकार के ए, ए, बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipronline.org, http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा अपलोड करने की तारीख 08.01.2026 को 06.00 बजे तक।

UBN NO. 1. PWD2526WSOB19548, 2. PWD2526WSOB19549, 3. PWD2526WSOB19551, 4. PWD2526WSOB19552, 5. PWD2526WSOB19553, 6. PWD2526WSOB19554, 7. PWD2526WSOB19555, 8. PWD2526WSOB19556, 9. PWD2526WSOB19557

(अंकित बिन्दल)

अधिशाषी अभियन्ता

DIPR/C/19367/2025 सा.नि.वि. खण्ड सुल्तानपुर

कार्यालय नगरपालिका विद्या विहार पिलानी (राज.)

क्रमांक :-न0पा0वि0वि0/3194 दिनांक :-30.12.2025

ई-निविदा सूचना

नगर पालिका विद्या विहार द्वारा नगर पालिका में विभिन्न स्थानों पर सिविल निर्माण कार्य एंव इलेक्ट्रीक कार्य हेतु उपयुक्त सक्षम श्रेणी के केन्द्र/राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मस् http://www.eproc.rajasthan.gov.in/ तथा http://sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल पर ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण निम्न विवरणानुसार इंटरनेट साईट http://sppp.rajasthan.gov.in/ पर भी देखी जा सकती है।

NIT NO.	Tender NIB Number	Tender UBN Number
MBVV/2025-26/16	DLB2526A9668	(DLB2526WSOB28892) (DLB2526WSOB28893) (DLB2526WSOB28895)

अधिशाषी अधिकारी

राज.संवाद/सी/25/16881 नगर पालिका विद्या विहार, पिलानी

कार्यालय नगर पालिका डग जिला झालावाड़ (राज0)

क्रमांक/न.पा.डग/निर्माण/2025/906-908 दिनांक:-30/12/2025

ई-निविदा क्रमांक 01/2025-26

नगर पालिका डग में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको व अन्य विभागो के सक्षम श्रेणी में पंजिकृत फार्मो/संवेदको से ई-निविदा पद्धति से 01 कार्य की दिनांक 01.01.2026 से 15.01.2026 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र डाउनलोड, अपलोड करने की तिथि व निविदा की शर्ते एवं अन्य जानकारी वेबसाईट http://sppp.rajasthan.nic.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in व कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

NIB CODE :- DLB2526A9680

WORK NO.	UBN CODE
1	DLB2526WSOB28932

प्रशासक

नगर पालिका डग

अधिशाषी अधिकारी

नगर पालिका डग

राज.संवाद/सी/25/16864

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, नापासर (बीकानेर)

E-mail:- eonagarpalikanapasar@gmail.com

क्रमांक:-न.पा.ना.पा/निर्माण/2025-26/1421 दिनांक 29.12.2025

ई- निविदा-सूचना सं0 29/2025-26

कार्यालय नगर पालिका मण्डल नापासरर द्वारा नगर पालिका नापासर क्षेत्र में स्थित राजीव गांधी स्टेडियम में नवनिर्मित गार्डन/पार्क के रख-रखाव का कार्य (अनुमानित लागत राशि 18.59 लाख रूपये) हेतु सक्षम/पात्र संभरणकर्ता जो कार्य करने/सामग्री संभरण करने के लिए अनुभवी हो, निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-बोली प्रक्रिया से ऑनलाईन बोलियाँ आंमत्रित की जाती है। निविदा कार्य से सम्बन्धित सम्पूर्ण विवरण एवं तिथि राज्य सरकार की ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in,www.sppp.rajasthan.gov.in तथा नगर निगम बीकानेर की वेबसाईट www.bikanermc.org पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकती है। UBN Number :-DLB2526WSOB28921

प्रशासक अधिशाषी अधिकारी

राज.संवाद/सी/25/16857 नगर पालिका नापासर नगर पालिका नापासर

कार्यालय नगर पालिका निवाई

क्रमांक:-न.पा.नि./निर्माण/2025-26/13751 दिनांक:- 26.12.2025

ई. बोली सूचना संख्या :- 52/2025-2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका निवाई में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों एवं विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागो के संबंधित श्रेणी में "A" "AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको से, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in व 'http://www.eproc.rajsthan.gov.in पर देखा जा सकता है :-

बोली का कार्य	:	NIB Code:- DLB2526A9628 (कुल 16 कार्य)
Unique Bid Number	:	DLB2526WSOB28815, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 23, 25, 28, 32
बोली की कुल लागत	:	Rs 259.11 लाख (सभी कार्यो की अनुमानित लागत)
बोली जारी करने की दिनाक	:	दिनांक 29.12.2025 को 13:00 बजे से
बोली दस्तावेजो को डाउनलोड करने की शुरूआती दिनांक व समय	:	दिनांक 29.12.2025 को 13:00 बजे से
ऑन लाईन बोली जमा कराने की अन्तिम दिनांक	:	दिनांक 07.01.2026 सायं 18.00 बजे तक
ऑनलाईन तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	:	दिनांक 08.01.2026 को अपराह 12:00 बजे
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय	:	Will be Intimated latter to the Technically qualified Bidders
बिड की वैधता समयावधि	:	120 Day

अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

राज.संवाद/सी/25/16878 नगर पालिका निवाई नगर पालिका निवाई

निर्माणाधीन दुकान की पहली मंजिल से मजदूर गिरा, मौत

अलवर, (निसं)। अलवर शहर में दो मंजिला निर्माणाधीन दुकान में काम कर रहे एक मजदूर की पहली मंजिल से गिरने से मौत हो गई। हैरानी की बात यह है कि घटना का 10 मिनट तक किसी को पता नहीं लगा। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत तिलक मार्केट में गुरुवार दोपहर करीब एक बजे यह घटना हुई। मृतक अमरेश पुत्र बुध सिंह (45) निवासी गांव बडेर थाना मालाखेड़ा का रहने वाला था।

जानकारी के अनुसार दोपहर में लंच में खाना खाने के बाद मिस्त्री और मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान मिस्त्री दूसरी मंजिल पर काम करने चला गया, जबकि मजदूर पहली मंजिल पर ही मौजूद था। कुछ समय बाद मजदूर नीचे गिर गया, लेकिन घटना के समय किसी को इसकी भनक नहीं लगी। कुछ देर बाद जब मिस्त्री नीचे आया तो उसने मजदूर को नीचे गिरा हुआ देखा। हालत गंभीर होने पर मिस्त्री ने तुरंत दुकान मालिक रमेश गोयल को सूचना दी। इसके बाद मालिक, उसका बेटा और मिस्त्री घायल मजदूर को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक अमरेश के दो बच्चे हैं एक बेटी और एक बेटा है। उसकी मौत के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के चाचा सूरज सिंह ने बताया कि मृतक अमरेश सिंह छह दिन से प्रेम नामक मिस्त्री के साथ तिलक मार्केट में मजदूरी का काम कर रहा था। रोज की तरह गुरुवार को भी वह काम पर आया था। दोपहर करीब साढ़े बारह बजे दोनों ने खाना खाया था, इसके बाद यह हादसा हो गया। अमरेश दो भाइयों में बड़ा था।

पांच हजार लिटर अवैध बायो डीजल बरामद

उदयपुर, (कासं)। टीडी थानाक्षेत्र में पुलिस ने अवैध बायोडीजल सहित टेंकर व ट्रक जब्त किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान पुलिस उपाधीक्षक गोपाल चंदेल के नेतृत्व में गठित दल ने गुरूवार को टीडी क्षैत्र में कार्यवाही करते हुए अवैध बायो डीजल भण्डार स्थल पर दबिश देकर 5 हजार लीटर बायोडीजल, टेंकर व ट्रक जब्त कर जांच शुरू की। पुलिस को अवैध बायो डीजल स्टोरेज की सूचना मिलने पर कार्यवाही की गई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्री-डी.एल.एड. परीक्षा आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के 377 डीएलएड कॉलेजों में 25,970 सीटों पर प्रवेश के लिए होने वाली प्री-डीएलएड परीक्षा के लिए अब तक करीब 4.50 लाख आवेदन ही भरे गए हैं, जबकि पिछले सत्र में करीब छह लाख आवेदन आए थे। पिछले सत्र से करीब डेढ़ लाख आवेदन कम आने से नोडल एजेंसी वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय की ओर से अब 31 जनवरी तक आवेदन की तिथि बढ़ाई गई है।

प्री-डीएलएड में शिक्षा सत्र को पटरी पर लाने के लिए इस साल आवेदन प्रक्रिया 2 दिसंबर से शुरू कर दी गई थी। आवेदन की अंतिम तिथि 31 दिसंबर तक 4 लाख 50 हजार आवेदन ही भरे गए। वहीं 30 दिसंबर को एक दिन में ही करीब 54 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। अभ्यर्थियों के क्रेज के चलते वीएमओयू ने 31 जनवरी तक आवेदन की तिथि बढ़ा दी है। इस साल 12वीं बोर्ड की परीक्षाओं से पहले ही आवेदन शुरू कर दिए गए हैं। जिसके कारण से अब तक करीब 4.50 लाख आवेदन आए हैं। हालांकि बोर्ड परीक्षाओं में शामिल हो रहे अभ्यर्थी भी आवेदन भर सकते हैं, मगर ऐसे अभ्यर्थियों ने अब तक आवेदन में कम रुचि दिखाई है। अधिकतर सीनियर सेकंडरी परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों ने ही आवेदन किए हैं।

दुकान में सामान चोरी

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र में नए साल पर एक और चोरी की वारदात सामने आ गई, जिससे व्यापारियों में भारी आक्रोश और भय का माहौल बन गया है।

जानकारी के अनुसार 31 दिसंबर बुधवार को नेपाल सिंह पुत्र रामकुवार सिंह निवासी लुणाजी तन कैरोडी ने प्रागपुरा थाना उपस्थित होकर मामला दर्ज करवाया कि रोज की तरह में दुकान बंद कर घर चला गया। देर रात अज्ञात चोर ऑयल मील की दुकान की चार दीवारी तोड़कर 20 पीपे तेल के, 5 कट्टा तिल, 5 कट्टा सरसों चुरा ले गए। वही प्रागपुरा थाना पुलिस ने सूचना पर मौके पर जाकर मौका मुवायना किया। पुलिस ने आस पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जहां एक ट्रैक्टर सवार व एक बाइक सवार चोरी की वारदात को अंजाम देते नजर आए। व्यापारियों का कहना है कि लगातार शिकायतों और ज्ञापनों के बावजूद रात्रि गश्त और सुरक्षा व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित है। रात के समय क्षेत्र में बाजार पूरी तरह असुरक्षित नजर आ रहे है, जिसका फायदा अपराधी उठा रहे हैं।

कालाडेरा में स्कूटी और बाइक की टक्कर से दो युवकों की मौत, दो घायल

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। कालाडेरा कस्बे के रीको रोड पर बुधवार देर रात स्कूटी और बाइक में आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। वहीं हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल भी हो गए। घायलों को उपचार के लिए 108 ऐंबुलेंस की सहायता से चौमूं और जयपुर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

कालाडेरा थानाधिकारी पूजा पूनिया ने बताया कि मृतकों की पहचान विपिन कुमार शर्मा (41) पुत्र ब्रह्मदास शर्मा निवासी हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश जो कि स्कूटी सवार था, वहीं बाइक सवार राकेश विश्वास (35) पुत्र जंगधाधु विश्वास निवासी पश्चिम बंगाल के रूप में हुई है। स्कूटी सवार विपिन का शव जयपुर के एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है, जहां परिजनों के आने के बाद पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। वहीं बाइक सवार राकेश का पोस्टमॉर्टम चौमूं के सरकारी अस्पताल में किया गया। दोनों युवक कालाडेरा रीको औद्योगिक क्षेत्र में स्थित फैक्ट्रियों में मजदूरी का काम करते थे। हादसे में घायल हनी कुमार (42) पुत्र सुखदेव निवासी हिमाचल प्रदेश व धर्मेन्द्र राजपूत (36) पुत्र तेजपाल निवासी कोटपूतली गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों का चौमूं के निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि स्कूटी और बाइक पर सवार सभी चारों लोग कालाडेरा रीको औद्योगिक क्षेत्र की अलग-अलग फैक्ट्रियों में मजदूरी करते थे।

एम.पी. से भागवत कथा सुनने के बहाने आये लोग जुआ खेलते गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। दानपुर थाना क्षेत्र में मध्यप्रदेश से भागवत कथा सुनने के बहाने आये आठ लोग जुआ खेलते हुए पकड़े गये।

दानपुर थानाधिकारी लक्ष्मीचंद ने बताया कि नववर्ष की पूर्व संध्या पर थाने एवं जिला स्पेशल टीम की संयुक्त कार्यवाही में जुआ खेलते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 24620 रूपये व पांच मोबाइल जब्त किये गये। थानाधिकारी ने बताया कि 31 दिसम्बर को दानपुर कस्बे में कुछ व्यक्तियों द्वारा जुआ खेलने की जानकारी मिली जिस पर डीएसटी टीम प्रभारी विवेकभान सिंह व उनकी टीम तथा दानपुर थाने के सहायक उपनिरीक्षक रवि कुमार थापा मय जाप्ते ने सर्च अभियान चलाया। इस दौरान रतलाम रोड़ पर नाले के पास सुनसान जगह पर कुछ व्यक्ति ताश के पत्तों पर जुआ खेलते हुए पाये गये। ये सभी लोग मध्यप्रदेश के रतलाम जिले के हैं। पुलिस ने इन लोगों से 24 हजार 620 रूपये जब्त किये। पुलिस ने जुआ अधिनियम में मामला दर्ज कर लिया है।

जुआ खेलते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर नगदी व पांच मोबाइल जब्त किये

सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट की, दो गिरफ्तार : कोटा में सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम व फेसबुक पर विवादित पोस्ट करने के मामले में विज्ञान नगर पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि शहर पुलिस द्वारा सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म जिसमें फैसबुक, इंस्टग्राम, यूट्यूब, वाट्सएप इत्यादि पर पैनी नजर रखी जा रही है। शहर एसपी ने बताया कि 30 दिसम्बर को फरियादी ने विज्ञान नगर थाने में मामला दर्ज करवाया। फरियादी ने रिपोर्ट दी कि अरबाज व फिरोज के नाम से इंस्टाग्राम व फेसबुक अकाउंट पर एक विवादित पोस्ट वायरल की जा रही है, जो साम्प्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने की नियत से अपलोड की गई है। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया, मामले का अनुसंधान के लिये विज्ञान नगर थानाधिकारी मुकेश मीणा के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने मामले की जांच कर सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम व फेसबुक पर हो रही वायरल पोस्ट पर कार्यवाही करते हुए अन्नतपुरा निवासी अरबाज खान (27) एवं रजा नगर रंगतलाब निवासी फिरोज खान (31) को बोरखेड़ा से डिटेन कर गिरफ्तार किया।

मुर्गों की फाइट पर लगाया जा रहा सट्टा पकड़ा

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले की भादरा पुलिस ने मुर्गों की आपस में लड़ाई कराकर सट्टा लगाते हुए 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से करीब 43 हजार 500 रुपये की जुआ रकम के साथ 2 कार और 2 मोटरसाइकिल भी जब्त की है। इस अवैध आयोजन का मुख्य आयोजक बरकत निवासी भादरा मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

एसपी हरी शंकर ने बताया कि गश्त के दौरान सूचना मिलने पर भादरा थानाप्रभारी हनुमानाराम के नेतृत्व में एसआई अक्षय कुमार ने टीम के साथ ठिकाने पर दबिश दी। यहां पर मुर्गों की लड़ाई पर रुपए का दाव लगाते हुए मोहम्मद जावेद, आसिफ राजावत, ईरफान खान, आमीर राजावत, मोहम्मद सैयद, राशिद अब्दुल, नीरज सिंह राजपूत, गुरूदास सिंह, राजेंद्र सिंह व संदीपसिंह उर्फ शनि को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ इसी तरह सख्त अभियान आगे भी जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। मौके पर मिले मुर्गे घायल और जख्मी अवस्था में थे। आरोपियों के साथ घायल मुर्गों को थाने ले गए, तो इधर-उधर भागने लगे तो पुलिसकर्मियों ने पकड़कर एक-एक पैर रस्सी से बांध दिया। मानवता दिखाते हुए लड़ाई में घायल हुए मुर्गों के उपचार के लिए मौके पर पशु चिकित्सक टीम को बुलाया। प्राथमिक उपचार के बाद घायल मुर्गों को देखभाल के लिए एक सार्वजनिक संस्था के सुपुर्द किया गया। इस पूरी कार्रवाई में पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अक्षय कुमार, हैड कांस्टेबल नरेश कुमार, कांस्टेबल सुभाष, मदन सिंह, सचिन कुमार, सोनू और देवीलाल शामिल रहे। विशेष भूमिका कांस्टेबल सुभाष और मदन सिंह की भुमिका रही।

- **10 जने गिरफ्तार, नगदी सहित 2 कार और 2 बाइक जब्त**

ई-कॉमर्स के नाम पर साइबर ठगी करने वाले छत्तीसगढ़ और जयपुर के बदमाश गिरफ्तार

लोगों को फर्जी और मैलिशियस लिंक भेजकर उनके मोबाइल फोन हैक करते थे आरोपी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। साइबर पुलिस जयपुर ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए की जा रही संगठित साइबर वित्तीय धोखाधड़ी का खुलासा करते हुए शातिर साइबर ठग गिरोह के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अमोल चौपड़ा निवासी छत्तीसगढ़ और सक्षम खंडेलवाल निवासी प्रताप नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है। जबकि गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी, आम लोगों को फर्जी और मैलिशियस लिंक भेजकर उनके मोबाइल फोन हैक करते थे। इसके बाद पीड़ितों के क्रेडिट और डेबिट कार्ड विवरण का दुरुपयोग कर फ्लिपकार्ट, अमेजन, स्विगी, ज़ेप्टो और ब्लिंकिंग जैसे बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से महंगे मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान ऑर्डर करते थे। पूरे मामले का

- पुलिस जांच से बचने और वित्तीय लेन-देन छुपाने के लिए क्रिप्टोकरैंसी का उपयोग करते थे

खुलासा मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर हुआ। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण और गोपनीय इनपुट के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को दबोच लिया।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पुलिस जांच से बचने और वित्तीय लेन-देन छुपाने के लिए क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल करते थे। इसके जरिए वे साइबर ठगी से प्राप्त रकम को ट्रेस होने से बचाते थे।

नेपाल के रास्ते विदेश भेजते थे मोबाइल

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि ऑनलाइन साइबर धोखाधड़ी और ई-कॉमर्स अपराधों की रोकथाम के लिए एसीपी (क्राइम) मनीष अग्रवाल के निर्देशन में विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों ने आरोपियों की पहचान कर उनके नेटवर्क को तोडने में सफलता हासिल की है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी थर्ड पार्टी एप्लिकेशन, डिजिटल पहचान चोरी और फ्लिपकार्ट मिनट जैसी फास्ट डिलीवरी सेवाओं का उपयोग कर कम समय में सामान मंगाते थे। साइबर ठगी से खरीदे गए नए मोबाइल फोन को नेपाल के रास्ते दूसरे देशों में भेजा जाता था। जिसके पुख्ता साक्ष्य पुलिस को मिले हैं।

एक आरोपी जेल, दूसरा पुलिस रिमांड पर

पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभीजीत सिंह ने बताया मामले में साइबर पुलिस थाना जयपुर में विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी अमोल चोपड़ा को न्यायिक अभिरक्षा (जेसी) में भेज दिया गया है, जबकि कोर्ट ने दूसरे आरोपी सक्षम खण्डेलवाल को दो दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा है।पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य संदिग्धों की तलाश के साथ-साथ डिजिटल, वित्तीय और अंतरराष्ट्रीय लिंक की गहन जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में इसे अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोह माना जा रहा है।

पिछली कांग्रेस सरकार में हुए पेपरलीक और आरपीएससी भ्रष्टाचार पर सरकार ने अपनाया सख्त रुख

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस प्रकरण में नए तथ्यों को गंभीरता से लेते हुए एसओजी से जांच करवाने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार शाम मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, डीजीपी राजीव शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली।

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गत सरकार में हुए पेपर लीक एवं आरपीएससी भ्रष्टाचार काण्ड में सामने आए नए तथ्यों को बेहद गंभीरता से लिया है।

उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का पालन करते हुए नए तथ्यों को दृष्टिगत रखकर एसओजी से जांच करवाते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए है। शर्मा ने गुरुवार शाम मुख्यमंत्री कार्यालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित

- युवाओं के भविष्य के साथ छेड़छाड़ करने वालों को नहीं बख्शा जाएगा : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

एसओजी एवं एसीबी के अधिकारियों को नए तथ्यों के परिपेक्ष्य में तत्काल कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने आवश्यकतानुसार एसओजी के साथ एसीबी को भी सम्मिलित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि गत सरकार के समय युवाओं के सपनों को रौंदते हुए पेपरलीक करने वाले 340 लोग गिरफ्तार किया जा चुके हैं और आगे भी सरकार किसी भी सूरत में एक भी दोषी को नहीं बख्शेगी, चाहे वह कितना ही बड़ा क्यों न हो।

उन्होंने युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी सरकार के कार्यकाल में 296 भर्ती परीक्षाएं आयोजित की गई, उनमें से एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है।

राखी राठौड़ बनीं भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष

पेशे से एडवोकेट राखी राठौड़ वर्तमान में भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता हैं, वे जयपुर नगर निगम में लगातार 3 बार पार्षद और 3 बार चेयरमैन भी रह चुकी हैं

जयपुर। राजस्थान भाजपा ने संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक अहम फैसला लेते हुए राखी राठौड़ को महिला मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं भवानी शंकर शर्मा को कार्यालय सह प्रभारी बनाया गया। पार्टी नेतृत्व ने उनके नाम पर मुहर लगाते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। यह पद निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष रक्षा भंडारी के सिरोही जिला अध्यक्ष बनने के बाद से रिक्त चल रहा था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने राखी राठौड़ की नियुक्ति की घोषणा की।

राखी राठौड़

ज्ञात रहे कि राखी राठौड़, पेशे से एडवोकेट हैं और वर्तमान में बीजेपी की प्रदेश प्रवक्ता के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रही है। वे जयपुर नगर निगम में लगातार तीन बार पार्षद और 3 बार चेयरमैन रह चुकी हैं। संगठन और प्रशासनिक अनुभव को देखते हुए पार्टी ने उन्हें यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।

वैसे तो, 3 दिन पहले बीजेपी ने अपने 6 मोर्चों के प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा कर दी थी, लेकिन उस समय महिला मोर्चा अध्यक्ष की घोषणा नहीं की गई थी। ऐसे में राजनीतिक हलकों में कयास लगाए जा रहे थे कि पार्टी किस चेहरे पर भरोसा जताएगी। अंतत: पार्टी ने राखी राठौड़ के नाम पर सहमति बनाते हुए उन्हें महिला मोर्चा का नेतृत्व सौंप दिया। माना जा रहा है कि पार्टी ने सामाजिक संतुलन और संगठनात्मक क्षमता दोनों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है।

राखी राठौड़ को पार्टी में एक तेज तर्रार लेकिन मृदुभाषी प्रवक्ता के रूप में जाना जाता है। उनकी नियुक्ति से बीजेपी ने एक पंथ दो काज साधने का प्रयास किया है, क्योंकि उनके नाम को लेकर पार्टी में किसी भी तरह का विवाद नहीं है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के कार्यकाल के दौरान राखी राठौड़ को प्रदेश पहले लिस्ट और प्रवक्ता बनाया गया था, जो संगठन में राखी राठौड़ की पहली जिम्मेदारी थी। महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद राखी राठौड़ ने कहा कि वे संगठन की आभारी हैं कि एक साधारण कार्यकर्ता को इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी गई। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जो विश्वास उन पर जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा से खरा उतरने का प्रयास करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है और बीजेपी की प्राथमिकता रहेगी कि अधिक से अधिक महिलाएं आगे आकर राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनें।

हैड कांस्टेबल 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) सीकर टीम ने कार्रवाई करते पुलिस थाना सदर नीमकाथाना जिला सीकर के पुलिस हेड कांस्टेबल राजेश कुमार को परिवादी से दस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी सीकर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके भाईयों के विरूद्ध दर्ज मामले में आरोपित नहीं बनाने की एवज में पुलिस हेड कांस्टेबल राजेश कुमार दस हजार रुपये बतौर रिश्वत पूर्व में प्राप्त कर शेष दस हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा है।

जिस पर एसीबी सीकर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय कुमार के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए पुलिस हेड कांस्टेबल राजेश कुमार को दस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

उद्योग केन्द्र का वरिष्ठ सहायक 25 हजार रु. रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की सवाई माधोपुर टीम ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए जिला उद्योग केन्द्र सवाई माधोपुर के वरिष्ठ सहायक सूर्य प्रकाश नामा को परिवादी से 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी सवाई माधोपुर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके पिताजी व उसके भाइयो के नाम जिला उद्योग केन्द्र सवाई माधोपुर से डॉ भीमराव अम्बेडकर दलित प्रोत्साहन स्कीम के तहत तीनो दुकानों की सब्सिडी व ब्याज अनुदान राशि डालने की एवज में जिला उद्योग केन्द्र का वरिष्ठ सहायक सूर्यप्रकाश नामा तीस हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है। जिस पर एसीबी की टीम ने रिश्वत मांग का गोपनीय सत्यापन करवाया गया तो रिश्वत मांग सत्यापन में वरिष्ठ सहायक सूर्य प्रकाश नामा ने परिवादी से सब्सिडी व ब्याज अनुदान राशि डालने की एवज में तीस हजार रुपये रिश्वत राशि की मांग कर 25 हजार रुपये लेने पर सहमत हुआ। जिस पर एसीबी सवाई माधोपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान सिंह चौधरी के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ सहायक सूर्य प्रकाश नामा को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

स्थानीय उत्पाद प्रदेश की आर्थिक समृद्धि के आधार : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जिला आधारित स्थानीय उत्पाद प्रदेश की आर्थिक समृद्धि के मूल आधार हैं। इसी दिशा में हमारी सरकार ने प्रत्येक जिले में स्थानीय विशिष्टता एवं विरासत के संरक्षण व संवर्धन के लिए पंच गौरव कार्यक्रम की अभिनव पहल की है। शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित बैठक में निर्देश दिए कि पंच गौरव कार्यक्रम में प्रत्येक जिले के चिन्हित तत्वों का प्राथमिकता के अनुसार दीर्घकालीन कार्य योजना तैयार कर विकास एवं संरक्षण के कार्य किए जाएं तथा संबंधित नोडल विभाग इसकी नियमित समीक्षा भी करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को भी पंच गौरव कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की जावे, जिससे उन्हें भी जिले की विशिष्ट पहचान की जानकारी मिल सके। साथ ही, उन्होंने इस

- पंच गौरव कार्यक्रम में जन सहभागिता एवं जागरुकता बढ़ाएं : मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले पर पर्यटन सुविधाएं बेहतर बनाएं, ताकि स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़े।''

कार्यक्रम की गतिविधियों में अधिकाधिक जन सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन का इससे सीधा जुड़ाव हो सके।शर्मा ने कहा कि सभी जिलों के चयनित कृषि उत्पादों की नवाचारों के साथ ब्रांडिंग की जाए, ताकि इन उत्पादों को नई पहचान मिल सके। उन्होंने वन विभाग को स्थानीय विशेषता के आधार पर पौधे तैयार करने एवं वृक्ष मित्र बनाये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने खेल विभाग को प्रत्येक जिले में स्थानीय युवाओं को खेलों से जोड़ने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक जिला एक पर्यटन स्थल के अर्न्तगत पर्यटन स्थलों पर सड़क व पार्किंग सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएं, ताकि पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हो सकें। उन्होंने पर्यटन क्षेत्र से जुड़े गाइड एवं विभिन्न हितधारकों के क्षमतावर्द्धन के लिए भी नीति निर्धारण के निर्देश दिए।उल्लेखनीय है कि पंच गौरव के अन्तर्गत प्रत्येक जिले में एक उत्पाद, एक उपज, एक खेल, एक वनस्पति और एक पर्यटन स्थल को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

57 किलो चांदी लूट के मामले में डेढ़ साल से फरार बदमाश गिरफ्तार

माणक चौक क्षेत्र में मनीरामजी की कोठी रास्ता स्थित गजानंद ज्वैलरी शॉप में गार्डों को बंधक बनाकर जेवरात लूटने का मामला

जयपुर (कासं)। माणक चौक थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए ज्वैलरी शॉप से 57 किलो चांदी की लूट के मामले में पिछले डेढ़ साल से फरार 10 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 10 किलो चांदी के गहने भी बरामद किए है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद तौहीद (34) निवासी निवाई, जिला टोंक के रूप में हुई है। आरोपी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था और उसके खिलाफ करीब आधा दर्जन आपराधिक मामले दर्ज हैं। मामले में एक अन्य फरार आरोपी अशफाक की तलाश जारी है, जिस पर भी 10 हजार रुपए का इनाम रखा गया है।

सुरक्षा गार्डों को बंधक बनाकर की थी लूट

डी.सी.पी. ने बताया कि 19 नवंबर को पीड़ित विनोद अग्रवाल ने माणक चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। परिवादी ने बताया कि मनीरामजी की कोठी का रास्ता स्थित सिद्धि विनायक कॉम्पलेक्स में उनकी गजानंद ज्वैलरी के नाम से दुकान है।

रात के समय बदमाशों ने दुकान की सुरक्षा में तैनात तीन गार्डों से मारपीट कर उन्हें बंधक बना लिया और शॉप का लॉक तोड़कर 57 किलो चांदी के गहने लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लूट में शामिल हितेश प्रजापत और अकरम को गिरफ्तार किया था। इनके कब्जे से 38 किलो चांदी के गहने बरामद किए जा चुके हैं। पूछताछ में सामने आया कि वारदात में कुल चार बदमाश शामिल थे। इसके बाद फरार आरोपियों मोहम्मद तौहीद और अशफाक पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया।

आरोपी मोहम्मद तौहीद

- पुलिस ने आरोपी मोहम्मद तौहीद को गिरफ्तार कर 10 किलो चांदी के गहने भी जब्त किए हैं
- इस प्रकरण में पुलिस पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 38 किलो चांदी बरामद कर चुकी

आरोपी ने दिल्ली-गुड़गांव में काटी फरारी

थानाधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि आरोपी मोहम्मद तौहीद वारदात के बाद अपने परिचित के यहां छिपने चला गया था। उसे जानकारी मिली कि पुलिस उसके टोंक-निवाई स्थित मकान पर दबिश देने आई थी और घर की गहन तलाशी लेकर लौट गई थी। इसी का फायदा उठाकर आरोपी ने लूट का माल अपने ही घर में छिपा दिया। इसके बाद वह पुलिस से बचने के लिए दिल्ली-गुडगांव चला गया, जहां कुछ समय घूमने के बाद मालपुरा और टोंक क्षेत्र में भी फरारी काटता रहा। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर टोंक में दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है।

भाजपा सरकार ने हमेशा राजस्थान के हितों को सर्वोपरि रखा : मदन राठौड़

कांग्रेस ने हमेशा बंदरबांट की राजनीति को बढ़ावा दिया : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर (कासं)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा राजस्थान के हितों को सर्वोपरि रखा, जबकि कांग्रेस ने हमेशा बंदरबांट की राजनीति को बढ़ावा दिया।

उन्होंने प्रदेशवासियों को अंग्रेजी कैलेंडर के प्रथम दिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2025 में भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बनी भाजपा सरकार ने अल्प समय में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं। चाहे जल प्रबंधन का क्षेत्र हो, बिजली आपूर्ति, रोजगार सृजन, आधारभूत संरचना का सुदृढ़ीकरण हो या किसानों को सशक्त बनाने की योजनाएं- सरकार ने प्रत्येक वर्ग और प्रत्येक क्षेत्र के हित में ठोस निर्णय लिए हैं। सोलर ऊर्जा के माध्यम से किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे कृषि के साथ-साथ औद्योगिक विकास को भी गति

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने गुरूवार को प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बातचीत की।

मिलेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आज विपक्षी दलों में आपसी कलह, फूट और सिर फुटव्वल साफ दिखाई दे रही है। इसी कारण जनता का विश्वास भाजपा पर लगातार बढ़ रहा है और लोग भाजपा से जुड़ रहे हैं। राजस्थान रिफाइनरी के विषय में राठौड़ ने कहा कि इसकी प्रक्रिया वसुंधरा राजे सरकार के कार्यकाल में प्रारंभ हुई थी। कांग्रेस सरकार ने सितंबर 2013 में रिफाइनरी को लेकर ऐसा एमओयू किया, जिसमें राज्य सरकार को 15 वर्षों तक बिना ब्याज के प्रतिवर्ष 3871 करोड़ रुपये देने थे तथा 15 वर्ष बाद 26 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलती, यह राज्य पर अत्यधिक आर्थिक बोझ डालने वाला समझौता था।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में वसुंधरा राजे सरकार ने एचपीसीएल के साथ नया एमओयू किया, जिसके तहत राज्य सरकार प्रतिवर्ष लगभग 1100 करोड़ रुपए देगी, उस पर ब्याज भी मिलेगा और राज्य की हिस्सेदारी भी सुनिश्चित की गई। कांग्रेस की योजना में जहां 15 वर्षों में लगभग 56 हजार करोड़ रुपये का भार पड़ता, वहीं भाजपा सरकार ने इसे घटाकर 16,845 करोड़ रुपये कर दिया।

इससे राज्य को लगभग 39 हजार 328 करोड़ रुपये की बचत हुई। राठौड़ ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्ष 2023 में रिफाइनरी परियोजना की लागत बढ़ाकर 72,937 करोड़ रुपये कर दी, जिसके बाद संशोधित लागत 79 हजार 459 करोड़ रुपए तक पहुंच गई। उन्होंने कहा कि वर्तमान भजनलाल शर्मा सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि राजस्थान के हितों के साथ कोई समझौता न हो। भाजपा सरकार ने हमेशा राजस्थान के हितों को सर्वोपरि रखते हुए काम किया है, जबकि कांग्रेस ने बंदरबांट की राजनीति की। इस सच्चाई को जनता तक पहुंचाना आवश्यक है।

गोल्ड लोन चुकाने के नाम से 15 लाख रु. की धोखाधड़ी

जयपुर (कासं)। चित्रकूट थाना इलाके में एक युवक को परिचित के नाम से गोल्ड लेना भारी पड़ गया। पीड़ित ने आरोपी परिचित के खाते में आरटीजीएस के माध्यम से पैसे डाले और शातिर परिचित ने उन लाखों रुपयों को अपने दूसरे खाते में ट्रांसफर कर लिए। यूपीआई और एटीम के जरिए नकदी निकलने के बाद पीड़ित को खुद के साथ हुई धोखाधडी का एहसास होने पर पुलिस ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी परिचित के खिलाफ धोखाधडी का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि जमवारामगढ निवासी हेमराज गुर्जर (34) ने मामला दर्ज कराया है कि कुछ समय पहले उसकी मुलाकात आरोपी प्रेम चंद्र से हुई थी। लगातार मुलाकात होने के बाद दोनो अच्छे दोस्त बन गए। पीड़ित का आरोप है कि गोल्ड लोन चुकाने के लिए उसने प्रेम चंद्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र के खाते में 14 लाख 65 हजार रुपए आरटीजीएस के जरिए जमा करवाए। बैंक अकाउंट में रुपए ट्रांसफर होने के बाद चकमा देकर फरार हो गया। पीड़ित ने कई बार आरोपी के मोबाइल फोन पर कॉल किया। लेकिन लगातार मोबाइल फोन बंद मिला। दिए गए रुपयों में से आरोपी ने 5 लाख रुपए अपने दूसरे बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर लिए। जिन्हें और एटीएम के जरिए निकलने का पता चला। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

माण्डलगढ़ में ट्रेलर व कार की टक्कर में चार जनों की मौत, एक गंभीर घायल

कार में सवार हंसते-खेलते तीन परिवारों की नये साल की खुशियां मातम में बदली

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे 758 पर बीगोद के पास यश पावन तीर्थ धाम के सामने गुरूवार सुबह नए साल के पहले दिन ट्रेलर और इको कार में भीषण टक्कर हो गई। सड़क हादसे में चार जनों की मौत हो गई और एक गम्भीर रूप से घायल हो गई। कार में सवार हंसते-खेलते तीन परिवारों की नये साल की खुशियां मातम में तब्दील हो गई।

जानकारी के अनुसार बीगोद से भीलवाड़ा मार्ग पर यश पावन तीर्थ धाम के सामने बीगोद से सवाईपुर की ओर एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने भीलवाड़ा की ओर से आ रही इको कार को जोरदार टक्कर मार दी। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है। हादसे में दो जनों की मौके पर ही मौत हो गई और 2 गम्भीर घायल की जिला चिकित्सालय उपचार के दौरान में मौत हो गई। सूचना पर बीगोद थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मौक़े पर आसपास के ग्रामीणों ने पहुंच कर राहत एवं बचाव कार्य मे पुलिस का सहयोग किया।

बीगोद थाना प्रभारी जय सुल्तान ने बताया कि भीलवाड़ा रोड़ पर यश पावन तीर्थ धाम के सामने गुरुवार सुबह बीगोद से भीलवाड़ा की तरफ जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर की बीगोद की तरफ आ रही इको कार से आमने-सामने की जबरदस्त टक्कर हो गई, टक्कर इतनी जबरदस्त हुई कि इको कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कार सवार में मासा व भाणेज की मौके पर ही मौत हो गई, घायलों को बीगोद सामुदायिक चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर किया, जहां उपचार के दौरान चालक और एक महिला ने भी दम तोड़ दिया। हादसे के बाद कुछ देर तक हाइवे सड़क के दोनों तरफ जाम के हालात बन गए, जिनको मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने बड़ी मशक्कत के बाद यातायात सुचारु किया। वहीं दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हाईवे से हटाकर थाने लाकर खड़ा किया, घायलों में मेजा गांव निवासी घणिया (26) पत्नी भागचंद धोबी की उपचार के दौरान मौत हो गई। इसकी तीन वर्षीय पुत्री मनु पुत्री भागचंद धोबी का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। मृतकों में कारोई निवासी मासा नारायण (30) पिता बरदू धोबी, चालक भानु प्रताप सिंह (22) पिता भंवर सिंह व मेजा निवासी भाणेज कुशवंत पिता भागचंद के नवजात शिशु की मौत हो गई। प्रथमदृष्टया ट्रेलर का ओवरटेक करने की वजह मानी जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घणीया धोबी जो अहमदाबाद में रहती जो नए साल पर अपने गांव आई थी। भीलवाड़ा से अपने जीजा नारायण के साथ बच्चों को लेकर पीहर मांडलगढ़ जा रही थी, इसी दौरान ये हादसा हो गया। पुलिस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। यश पावन धाम क्षेत्र के आसपास नेशनल हाईवे पर साल में आए दिन हो रहे हादसों में कइयों की जान चली गई है और कई घायल भी हुए हैं। बीगोद ओर आसपास के लोगों द्वारा लाडपुरा-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे के अधिकारियों व प्रशासन से स्पीड ब्रेकर बनाने की पुरजोर मांग लम्बे वक्त से की जा रही है, लेकिन आज दिन तक स्पीड ब्रेकर नहीं बने, अगर यहां पर स्पीड ब्रेकर होते तो इतने हादसे नहीं होते। बीगोद कस्बे वासियों ने स्पीड ब्रेकर नहीं बनने पर रोष प्रकट करते हुए बताया कि 7 दिन में अगर स्पीड ब्रेकर नहीं बने तो पूरा कस्बा बंद रखा जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी एनएचएआई प्रशासन की होगी।

- बीगोद से भीलवाड़ा मार्ग पर यश पावन तीर्थ धाम के सामने हुआ भीषण हादसा

माण्डलगढ़-भीलवाड़ा हाइवे सड़क पर बीगोद के पास ट्रेलर की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त हो गई।

अजय उर्फ दीपू बावरिया ने रची थी फायरिंग की झूठी कहानी

सूरजगढ़, (निसं)। थाना इलाके के काकोड़ा गांव में 28 दिसंबर को फायरिंग की घटना की कहानी जो बताई गई थी, वो झूठी निकली। पुलिस ने तीन दिन की कड़ी मशक्कत के बाद ना केवल सच की पड़ताल कर ली, बल्कि फायरिंग की शिकायत करने वाले को ही अवैध हथियार के मामले में गिरफ्तार कर लिया।

- फायरिंग की शिकायत करने वाले को ही अवैध हथियार के मामले में गिरफ्तार किया

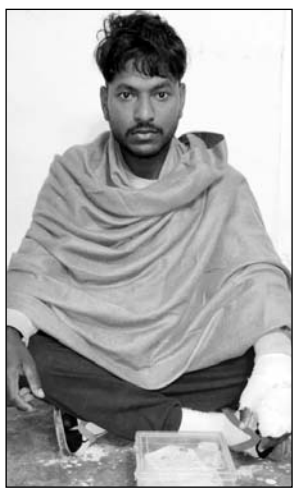

गिरफ्तार आरोपी

सीआई रणजीत सेवदा ने बताया कि 28 दिसंबर को काकोड़ा निवासी 23 वर्षीय अजय उर्फ दीपू पुत्र राजकुमार उर्फ सत्यवीर बावरिया के हाथ में गोली लगने से घायल होने की सूचना दी। इस मामले में अज्ञात दो युवकों पर फायरिंग का आरोप लगाते हुए घायल अजय उर्फ दीपू ने रिपोर्ट दी थी। दो दिन तक बीडीके अस्पताल में इलाज के बाद जब 31 दिसंबर को सूरजगढ़ पुलिस ने अजय उर्फ दीपू से पूछताछ की तो पूरी कहानी झूठी निकली। पूछताछ में अजय ऊर्फ दीपू ने बताया कि वह करीब दो साल से मध्यप्रदेश की एक लड़की से इंस्टाग्राम के जरिए संपर्क था और दोनों एक-दूसरे को प्यार करते थे, लेकिन दो महीने पहले उसने किसी दूसरे लड़के से शादी कर ली और अजय उर्फ दीपू को भी ब्लॉक कर दिया। तभी से अजय उर्फ दीपू टेंशन था। पहले पत्नी से तलाक और इसके बाद प्रेमिका से बेवफाई अजय उर्फ दीपू को तनाव में ले गई, इसलिए अजय उर्फ दीपू अपने कमरे में ही बैठकर सुसाइड करने का प्लान बना रहा था। 28 दिसंबर को भी वह सुसाइड करने के लिए अवैध देशी कट्टे को लोड करके सुसाइड करना चाह रहा था कि लोड करते वक्त गोली चल गई, जो अजय उर्फ दीपू के बाएं हाथ में लग गई थी, जिसके बाद अजय उर्फ दीपू ने देशी कट्टा और आठ जिंदा कारतूस तो प्लास्टिक की थैली में डालकर छुपा दिए और उसके हाथ में ज्यादा दर्द होने लगा तो उसने एम्बुलेंस को फोन किया। एंबुलेंस उसके घर आई और उसे अस्पताल ले गई। अजय उर्फ दीपू ने पुलिस को चकमा देने के लिए पुलिस व डॉक्टर को दो लड़कों द्वारा उसके ऊपर फायर करना बताया था। पुलिस ने अजय उर्फ दीपू की निशानदेही पर उसके घर के पास में स्थित ट्रयूबवैल पर बिजली के पोल के पास रखे स्टार्टर के नीचे से एक प्लास्टिक की थैली निकाल कर थैली में से एक हथियार व आठ जिंदा कारतूस बरामद कर लिए हैं।

पुलिस ने अजय उर्फ दीपू के कब्जे में मिले हथियार बाबत लाइसेंस-अनूज्ञापत्र पूछा तो अपने पास में कोई लाइसेंस-अनुज्ञापत्र नहीं होना बताया। जिस पर एक अवैध देशी कट्टा व 8 जिंदा कारतूस जब्त किया जाकर मुलजिम अजय ऊर्फ दीपू को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया जाकर अवैध हथियार व कारतूसों के बारे मे गहन अनुसंधान किया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया है, जहां से उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। पुलिस हथियार लाने को लेकर भी पूछताछ करेगी।

खारियाबास गांव में मकान पर आकाशीय बिजली गिरी, लाखों का नुकसान

घर में मौत होने पर बैठक चल रही थी, तभी आकाशीय बिजली गिर गई

सादुलपुर, (निसं)। हमीरवास थाने की सांखू चौकी के गांव खारियावास में बुधवार व गुरूवार देर रात मृतक ओमप्रकाश पुत्र लिछमणराम जाखड के घर पर गमगीन माहौल में आकाशीय बिजली गिरने से मकान क्षतिग्रस्त हो गया तथा घर में लगे सभी विद्युत उपकरण जल गये। घटना में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार 55 वर्षीय ओमप्रकाश पुत्र लिछमण राम जाखड़ की 24 दिसम्बर को मौत हो गई थी, जिनके घर पर बैठक चल रही है, तभी आकाशीय बिजली गिर गई। मगर गनीमत रही कि घर में पास बैठे करीब एक दर्जन लोग बाल-बाल बच गए। यह घटना 31 दिसंबर की रात लगभग 11 बजे के आसपास होना बताया जा रहा है।

ग्रामीण तेजपाल जाखड़, नरेन्द्र भारतीय व प्रदीप जाखड़ ने बताया कि गांव खारियाबास निवासी ओमप्रकाश जाखड़ (55) का 8-9 दिन पूर्व निधन हो गया था। उनके निधन के बाद शोक स्वरूप गांव के लोग राजेश पुत्र ओमप्रकाश जाखड़ के घर के पास बैठे हुए थे। इसी दौरान बूंदाबांदी के साथ हल्की बारिश शुरू हुई और अचानक तेज धमाके के साथ आकाशीय बिजली गिर गई। बिजली सीधे ओमप्रकाश जाखड़ के घर पर गिरी, जिससे मकान में दरारें आ गईं। घर में लगे विद्युत उपकरण जल गए। इनमें फ्रिज, कूलर, मोबाइल फोन, बोरिंग की मोटर सहित अन्य बिजली का सामान और फिटिंग शामिल हैं। पीड़ित परिवार के अनुसार, इस घटना में लाखों रूपये का नुकसान हो गया। पड़ोस के घर में दाताराम के घर का इन्वर्टर भी जल गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है।

- गनीमत रही कि घर में पास बैठे करीब एक दर्जन लोग बाल-बाल बच गए
- आकाशीय बिजली गिरने से घर में लगे विद्युत उपकरण जले, मकान में आई दरारें

भरतपुर में मावठ से सर्दी बढ़ी

भरतपुर, (निसं)। प्रदेश में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से भरतपुर में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। भरतपुर के विभिन्न इलाकों में सुबह से ही ठंडी हवाओं के साथ हल्की बूंदाबांदी और मावठ का दौर जारी है, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और ठंड का असर तेज हो गया है। भरतपुर में सुबह से ही मावठ पड़ने के कारण ठंड में इजाफा देखने को मिला। ठंडी हवाओं के चलने से सर्दी का असर ज्यादा महसूस किया जा रहा है। मौसम के बदले मिजाज के चलते लोग दिन में भी अलाव जलाकर ठंड से बचाव करते नजर आए। लोग बारिश से बचने के लिए छाता लेकर बाहर निकलते दिखाई दिए, वहीं सर्दी बढ़ने के कारण लोग घरों से बाहर निकलने में भी परहेज कर रहे हैं। ठंड बढ़ने से जनजीवन प्रभावित हुआ है और लोग गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे हैं।

नये साल पर यातायात नियम तोड़ने वालों को पुलिस ने माला पहनाई

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के भगत सिंह सर्किल पर नए साल के मौके पर पुलिस ने यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों को समझाने के लिए एक अनोखा तरीका अपनाया। बिना हेलमेट वाहन चला रहे और ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करने वाले बाइक चालकों को रोककर पुलिस ने न तो सख्ती दिखाई और न ही डांटा, बल्कि उन्हें माला पहनाकर चॉकलेट दी और नए साल की बधाई दी।

इस अभियान के दौरान खुद एडिशनल एसपी गोपीनाथ शरण कांबले मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने बिना हेलमेट वाहन चला रहे चालकों से हाथ मिलाया, माला पहनाई और चॉकलेट देकर यह संदेश दिया कि वे ट्रैफिक नियमों की पालना नहीं कर रहे हैं। पुलिस ने इस पूरी कार्रवाई का वीडियो भी बनवाया। एक मौके पर बाइक पर सवार युवक-युवती को रोका गया, जिनके हाथ में हेलमेट था, लेकिन सिर पर नहीं पहना हुआ था। पुलिस ने उनसे पूछा कि हेलमेट सिर पर क्यों नहीं लगाया गया। इसके बाद उन्हें भी माला पहनाकर नए साल की शुभकामनाएं दी गईं।

अलवर शहर में पुलिस ने यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों को समझाने के लिए अनोखा तरीका अपनाया।

एडिशनल एसपी गोपीनाथ शरण कांबले ने बताया कि पिछले कई दिनों से पुलिस लगातार अभियान चलाकर बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों, मॉडिफाइड वाहनों और तेज आवाज वाले साइलेंसर लगी बुलेट बाइकों पर कार्रवाई कर रही है। इसके बावजूद लोग यातायात नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नए साल के मौके पर लोगों को समझाने के लिए यह नया तरीका अपनाया गया है, ताकि लोग खुद शर्म महसूस कर नियमों की पालना करने लगें। लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की जान जा रही है, इसी को देखते हुए पुलिस नए-नए तरीकों से जागरूक करने का प्रयास कर रही है। इस दौरान नियम तोड़ने वालों को चॉकलेट और माला पहनाने के साथ-साथ नियमानुसार चालान भी काटे गए।

पाक घुसपैठिये को पकड़ा

जैसलमेर, (निसं)। जिले में सीमा सुरक्षा बल ने घुसपैठ कर रहे पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है। जिले के नाचना क्षेत्र में बुधवार शाम करीब आठ बजे सीमा सुरक्षा बल की 72वीं बटालियन के जवान गश्त पर थे। इसी दौरान हल्के कोहरे के बीच सीमा पार से एक युवक को भारतीय क्षेत्र की ओर आते देखा। जवानों ने सतर्कता बरतते हुए तुरंत घेराबंदी की। जैसे ही संदिग्ध युवक भारतीय सीमा के भीतर दाखिल हुआ, सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने तारबंदी के पास उसे हिरासत में ले लिया। फिलहाल खुफिया एजेंसियां और सीमा सुरक्षा बल के अधिकारी उससे गहन पूछताछ कर रहे हैं। पाकिस्तानी घुसपैठिए के जासूस होने का शक है।

- सीमा सुरक्षा बल की 72वीं बटालियन ने कार्रवाई की

'झुंझुनूं मांगे रेलवे जंक्शन जन संघर्ष अभियान' का आगाज़

झुंझुनूं, (निसं)। शेखावाटी रेल विकास संघर्ष समिति के 'झुंझुनूं मांगे रेलवे जंक्शन जन संघर्ष अभियान' का गुरुवार को झुंझुनूं रेलवे स्टेशन पर स्टेशन अधीक्षक कैलाशचंद्र सोनी को रेलमंत्री, जीएम व डीआरएम के नाम ज्ञापन सौंपकर भव्य आगाज हुआ। कड़कड़ाती सर्दी के बावजूद बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में आए।

समिति के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि ज्ञापन की 25 सूत्री मांगों में मुख्य रूप से झुंझुनूं स्टेशन को बिसाऊ, मंडावा, खेतड़ी, सादुलपुर, उदयपुरवाटी, नीमकाथाना, सालासर, लोहार्गल व शाकंभरी से नई रेल लाइनें बिछाकर जोड़ने की मांग के साथ ही झुंझुनूं से होकर दिल्ली, हरिद्वार, अहमदाबाद, सूरत, पुणे, मुंबई, कोलकाता, गोवाहाटी, वैष्णो देवी कटरा, जोधपुर, उदयपुर सिटी एवं श्रीगंगानगर के लिए नई रेल सेवाएं शुरू करने की मांग की गई है। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, महासचिव डॉ. मनोज सिंह, रिटायर्ड स्टेशन अधीक्षक अनवर हुसैन भीमसर, अग्रवाल समाज समिति के अध्यक्ष गणेश कुमार हलवाई, लॉयंस क्लब के अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र सिंह शेखावत, सचिव कृष्ण गोपाल गुप्ता, वैश्य सेना के उपाध्यक्ष रघुनाथ प्रसाद पोद्दार, भारत विकास परिषद् के अध्यक्ष जिम्मी मोदी, भामाशाह विश्वनाथ टीबड़ा, शिक्षाविद् डॉ. शशि मोरोलिया, मुस्लिम न्याय मंच के संयोजक इमरान बड़गुर्जर, अलकुरेश वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन कुरैशी, जयराज जांगिड़, संजय बिलोटिया, अनिल शर्मा, विनोद खन्ना, मनीष बगड़िया, सुरेंद्र अग्रवाल, भजन गायकार रवि तुलस्यान, मनीष अग्रवाल, शिवचरण पुरोहित, फैयाज अली खान नूआं, श्रवण कुमार गोयनका, भोपाल सिंह पटवारी, विनोद कुमार पुजारी, इकबाल खान सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शेखावाटी रेल विकास संघर्ष समिति ने रेलमंत्री, जीएम व डीआरएम के नाम ज्ञापन सौंपे।

सोशल ऑडिट की ग्राम सभाओं में औपचारिकता पर लोकपाल सख्त

जालोर, (कासं)। जिले में मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत होने वाले सोशल ऑडिट की ग्राम सभाओं में औपचारिकता हावी रहने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए लोकपाल ने कडा रुख अपनाया है।

लोकपाल नैनसिंह शंखवाली ने बताया कि जिले के सभी कार्यक्रम अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं, ताकि सोशल ऑडिट की प्रक्रिया को प्रभावी, पारदर्शी और जनभागीदारी युक्त बनाया जा सके। इसके साथ ही ग्राम विकास अधिकारियों (वीडीओ) को भी स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे सोशल ऑडिट की ग्राम सभा की सूचना ग्राम पंचायत के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर अनिवार्य रूप से चस्पा करें। इसमें पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र, विद्यालय, राशन की दुकान एवं अन्य प्रमुख स्थान शामिल होंगे, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणों को समय रहते सूचना मिल सके। लोकपाल ने कहा कि सोशल ऑडिट केवल औपचारिक प्रक्रिया न रहकर जनसुनवाई का सशक्त माध्यम बने। इससे मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हुए कार्यों की वास्तविक स्थिति सामने आएगी और किसी भी प्रकार की अनियमितता पर समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। साथ ही, इससे संबंधित अधिकारियों, कार्मिकों एवं जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही भी तय होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सोशल ऑडिट में लापरवाही या निर्देशों की अवहेलना करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। लोकपाल के इस कदम से जिले में सोशल ऑडिट की गुणवत्ता में सुधार आने और ग्रामीणों की सहभागिता बढने की उम्मीद जताई जा रही है। लोकपाल जालोर नैनसिंह राजपुरोहित ने बताया कि सोशल ऑडिट की ग्राम सभाओं में औपचारिकता हावी रहने की बात संज्ञान में आई है। सोशल ऑडिट की प्रक्रिया को प्रभावी, पारदर्शी और जनभागीदारीयुक्त बनाने के लिए ग्राम सभा में अधिकाधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर सर्व समाज में आक्रोश

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर में गुरुवार को भीम आर्मी, मेघवाल महासभा, कामगार समाज, अजाक, किसान सभा व सर्व समाज ने सोशल मीडिया पर अनुसूचित जाति, डॉ. भीमराव अंबेडकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर पुलिस थाने के बाहर जमकर प्रदर्शन किया।

- अनुसूचित जाति व डॉ. अंबेडकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला

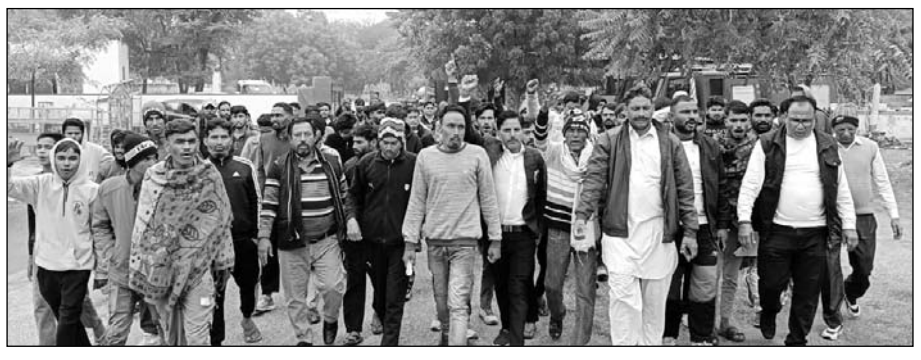

राजलदेसर में सर्व समाज ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

एफआईआर दर्ज नहीं होने के कारण लोगों ने पुलिस के खिलाफ भी नारेबाजी की।

किसान सभा के तहसील अध्यक्ष भादर भामू ने कहा कि गत दिनों राजलदेसर के ही एक व्यक्ति ने एक नेता की फ़ोटो पर कालिख पोतकर पोस्ट की तो सब जगह एफआईआर दर्ज हो गई, लेकिन जब बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का अपमान किया तो एफआईआर दर्ज करने में तकलीफ क्यों हो रही है। हालांकि आरोपी को गिरफ्तार करने लेकर लोगों ने तीन दिन का पुलिस को अल्टीमेट दिया है।

जानकारी के अनुसार करतार सिंह पुत्र पृथ्वी सिंह राजपूत निवासी वार्ड नं. 8, जान्दवा तहसील रतनगढ़ ने अपने डिजिटल प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर अपनी आईडी से लाइव आकर भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर पर विवादित बयान बोल अनुसूचित जाति के सम्पूर्ण समुदाय को आपत्तिजनक व अश्लील गालियां निकाली। इस प्रकार ऑन रिकॉर्ड डॉ. भीमराव अम्बेडकर साहेब को व अनुसूचित जाति के सम्पूर्ण समुदाय को गालियां देने से समुदाय में भारी रोष व्याप्त है। इस मौके पर भीम आर्मी के तहसील अध्यक्ष श्रवण बारूपाल, मेघवाल महासभा के तहसील अध्यक्ष कालूराम तंवर, कामगार समाज के अध्यक्ष जयचंद महावर, भाजपा जिला प्रवक्ता पवन बोथरा, पार्षद पवन प्रजापत, आरएलपी के रतनलाल बिजानिया, अजाक संगठन के अध्यक्ष नर्सिंग कर्मचारी चेनरूप भाटिया, आलसर सरपंच भानीराम मेघवाल, कामगार समाज के सचिव लालचंद प्रजापत, पार्षद मिर्जा राम मेघवाल, किशोर कामड़, दिलीप रैगर, कालूराम मेघवाल सहित सैकड़ों संख्या में व्यक्ति मौजूद रहे।

अलवर कलैक्टर ने रैन बसेरे व अन्नपूर्णा रसोई का औचक निरीक्षण किया

अलवर, (निसं)। जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने अलवर शहर के केडलगंज स्थित रैन बसेरे एवं अन्नपूर्णा रसोई की व्यवस्था का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

अन्नपूर्णा रसोई व रैन बसेरा का औचक निरीक्षण करने के लिए पहुंची जिला कलैक्टर ने केडलगंड स्थित रैन बसेरे का निरीक्षण कर नगर निगम आयुक्त को निर्देशित किया कि सर्दी के मौसम को दृष्टिगत रखते आवश्यकता अनुसार कम्बल, बिस्तर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही निर्देश दिये कि नए साल पर तुरंत रेन बसेरे में नई बाल्टी, मग्गा व साबुन की व्यवस्था सुनिश्चित कर इसकी फोटो भिजवाएं। जिला कलैक्टर ने अधिकारी को निर्देश दिये कि सम्पूर्ण रैन बसेरे के साथ शौचालय की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जावे। उन्होंने निरीक्षण के दौरान रैन बसेरे में आराम कर रहे व्यक्तियों से व्यवस्थाओं का भी फीडबैक लिया तो आराम कर रहे लोगों ने व्यवस्थाओं को अच्छा बताया। जिला कलैक्टर ने वहाँ मौजूद लोगों को नए साल की शुभकामनाएं भी दी। इसके उपरान्त जिला कलैक्टर ने केडलगंज रैन बसेरे के पास अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने एवं साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिये।कलैक्टर ने वहां भोजन कर रहे व्यक्तियों से भोजन की गुणवत्ता की जानकारी ली। इस दौरान नगर निगम आयुक्त सोहन सिंह नरूका सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

- केडलगंज रैन बसेरे के पास अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता जांची

अलवर केडलगज स्थित रैन बसेरे में आराम करते मिले लोगों से जिला कलैक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला ने फीडबैक लिया।

2027 विश्व कप के बाद वनडे प्रारूप के अस्तित्व और प्रासंगिकता पर तब संकट आ सकता है जब इसके बड़े स्टार खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। - आर. अश्विन

भारतीय गेंदबाज, विराट कोहली और रोहित शर्मा के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — विराट कोहली

विराट कोहली ने अभी तक 556 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की 623 पारियों में 52.58 की औसत से 27975 रन बनाए हैं। अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान वह 42 रन और बना लेते हैं तो वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में कुमार संगाकारा को पीछे छोड़ देंगे, जिनके नाम 594 मैचों की 666 पारियों में 46.77 की औसत से 28016 रन हैं। कोहली ने 84 शतक लगाए हैं और 145 अर्द्धशतक। वहीं संगाकारा के बल्ले से 63 शतक आए हैं और 153 अर्द्धशतक।

क्या आप जानते हैं ?... श्रीलंकाई दिग्गज मुथैया मुरलीधरन के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1347 विकेट दर्ज हैं। मुरलीधरन ने 495 मैचों में ये विकेट लिए हैं। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के चयनित प्रावधानों के लागू होने की अधिसूचना जारी

नई दिल्ली, 1 जनवरी। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 के चयनित प्रावधानों के लागू होने की अधिसूचना जारी की है। राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 (25 ऑफ 2025) को 18 अगस्त, 2025 को आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचित किया गया था। अधिनियम की धारा 1(2) में प्रावधान है कि अधिनियम उस तिथि से लागू होगा जो केंद्र सरकार आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियुक्त करे, और अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के लिए अलग-अलग तिथियां नियुक्त की जा सकती हैं। तदनुसार, राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 की धारा 1 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्र सरकार ने 1 जनवरी, 2026 को वह तिथि नियुक्त की है जिस दिन उक्त अधिनियम की धारा 1 से 3, धारा 4 की उपधारा (1), (2) और (4), धारा 5 की उपधारा (1) और (2), धारा 8 की उपधारा (5), धारा 11 की उपधारा (1), धारा 14 और 15, धारा 17 की उपधारा (1) से (7) और (10), धारा 30 और 31 तथा धारा 33 से 38 के प्रावधान लागू होंगे। लागू किए गए प्रावधानों में राष्ट्रीय खेल निकायों की स्थापना और शासन ढांचा शामिल है, जिनमें राष्ट्रीय ओलंपिक समिति, राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति, राष्ट्रीय खेल संघ और क्षेत्रीय खेल संघ, राष्ट्रीय खेल बोर्ड का गठन, मान्यता प्राप्त खेल संगठनों पर लागू अनुपालन आवश्यकताएं, मान्यता प्राप्त खेल संगठनों के विशेषाधिकार और कर्तव्य, राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण का गठन और केंद्र सरकार की नियम बनाने की शक्तियां शामिल हैं। इस अधिनियम को चरणबद्ध ढंग से लागू करने का उद्देश्य वैधानिक खेल प्रशासन ढांचे में सुचारू रूप से परिवर्तन सुनिश्चित करना है। यह अधिनियम खेल प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही, नैतिक आचरण और सुशासन को बढ़ावा देने, खिलाड़ियों के कल्याण को सुनिश्चित करने और ओलंपिक चार्टर, पैरालंपिक चार्टर और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम विधियों के अनुरूप खेल संबंधी विवादों के प्रभावी और समयबद्ध समाधान का प्रावधान करता है। 1 जनवरी, 2026 से, अधिनियम के अधिसूचित प्रावधानों के अंतर्गत परिकल्पित संस्थागत तंत्र परिचालन में आ जाएंगे।

अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी : राजस्थान पहली पारी में 185/8 विकेट पर सिमटी

जयपुर, 1 जनवरी। नडियाद में आज से शुरू हुए राजस्थान - पंजाब अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी क्वाटर फाइनल मैच के पहले दिन राजस्थान के सानिल का नाबाद अर्धशतक। राजस्थान - पंजाब मैच (पहले दिन का स्कोर) राजस्थान पारी 185 / 8 आज पहले दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने सानिल के नाबाद अर्धशतक की सहायता से 8 विकेट के नुकसान पर 185 रन बना लिए थे। टीम के लिए सानिल नाबाद 56, हर्ष 26, करण 22, नावेद 20 व केतन नाबाद 11 रन बनाकर खेल रहे हैं। पंजाब के गेंदबाज अधिराज, राजवीर 3 - 3 व आर्यन 2 विकेट।

यूनाइटेड कप से शुरू होगा टेनिस कैलेंडर 2026

पर्थ, 1 जनवरी। वर्ल्ड नंबर 3 कोको गॉफ और वर्ल्ड नंबर 6 टेलर फ्रिट्ज के नेतृत्व वाली टीम यूनाइटेड स्टेट्स 2026 में मिक्स्ड टीमों की प्रतियोगिता यूनाइटेड कप में अपना खिताब बचाने की कोशिश करेगी। 2024 की चैंपियन जर्मनी के पास वर्ल्ड नंबर 3 अलेक्जेंडर ज्वेरेव और डेब्यू करने वाली ईवा लिस हैं। अन्य प्रमुख खिलाड़ियों में पोलैंड के लिए इगा स्वीयाटेक और ह्यूबर्ट हुरकाज, ग्रीस के लिए स्टेफानोस सितसिपास और मारिया सकारी, इटली के लिए जैस्मीन पाओलिनी और फ्लेवियो कोबोली, कनाडा के लिए फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे और विक्टोरिया म्बोको, एम्मा राडुकानू (ग्रेट ब्रिटेन), नाओमी ओसाका (जापान), एलेक्स डी मिनौर (ऑस्ट्रेलिया) और कैस्पर रूड (नॉर्वे) शामिल हैं। 2026 यूनाइटेड कप 2 जनवरी से 11 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। 2023 में स्थापित यह आउटडोर हार्ड-कोर्ट इवेंट पर्थ के आरएसी एरिना और सिडनी ओलंपिक पार्क टेनिस सेंटर के अंदर केन रोजवॉल एरिना में होगा। टूर्नामेंट के निदेशक स्टीफन फैरो हैं। अठारह देशों को तीन-तीन के छह ग्रुप में रखा गया है। ग्रुप स्टेज में राउंड-रॉबिन मुकाबले होंगे, जिसमें हर देश अपने ठ्रुप के बाकी दो देशों के साथ खेलेगा। हर टाई में एक एटीपी सिंगल्स मैच, एक डब्ल्यूटीए सिंगल्स मैच और एक मिक्स्ड डबल्स मैच होगा। हर ठ्रुप की टॉप टीम क्वार्टर-फाइनल में पहुंचेगी, साथ ही पर्थ और सिडनी दोनों में सर्वश्रेष्ठ रनर-अप देश को भी एक क्वार्टर-फाइनल स्पॉट दिया जाएगा। 2026 यूनाइटेड कप के लिए ग्रुप्स की घोषणा कर दी गई है:-

पर्थ - ग्रुप ए : संयुक्त राज्य अमेरिका,स्पेन और अर्जेंटीना
ग्रुप सी : इटली, फ्रांस और स्विट्जरलैंड
ग्रुप ई : ग्रेट ब्रिटेन, ग्रीस और जापान
सिडनी - ग्रुप बी : कनाडा, बेल्जियम और चीन
ग्रुप डी: ऑस्ट्रेलिया, चेकिया और नॉर्वे
ग्रुप एॅफ़ : जर्मनी, पोलैंड और नीदरलैंड्स

यूनाइटेड कप का चौथा एडिशन पर्थ (2 जनवरी 2026 से) और सिडनी (3 जनवरी से) में खेला जाएगा। होस्ट शहर ग्रुप प्ले और क्वार्टर-फाइनल की मेजबानी करेंगे, जिसमें चार देश सिडनी में सेमीफाइनल (10 जनवरी) और फाइनल (11 जनवरी) में आगे बढ़ेंगे। 2026 यूनाइटेड कप में कुल प्राइज मनी और पार्टिसिपेशन फीस के तौर पर कम से कम 11,806,190 डॉलर दिए जाएंगे, जिसमें एटीपी और डब्ल्यूटीए खिलाड़ियों के लिए क्रमशः कम से कम 5,903,345 डॉलर होंगे।

मार्श करेंगे टी-20 विश्वकप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी

सिडनी, 1 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका और भारत में सात फरवरी से शुरु होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 के लिए 15 सदस्यों की प्रोविजनल टीम की घोषणा की है। मिचेल मार्श को टीम का कप्तान बनाया है साथ ही कई सीनियर खिलाड़ियों ने टीम में वापसी की है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार, चयनकर्ताओं ने महाद्वीप की स्थिति का अनुभव रखने वाले और बहुमुखी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को देखते हुए विश्व कप के लिए टीम का चयन किया है। टीम में पैट कमिंस, कैमरन ग्रीन और कूपर कोनोली की वापसी हुई है। इस टीम में स्पिन की तरफ भी साफ झुकाव है, जिसमें एडम जम्पा को मैथ्यू कुहनेमन, कोनोली और स्पिन-कैपेबल ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और मैथ्यू शॉर्ट को जगह दी गई है।

चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया इस प्रारुप में टीम की लगातार सफलता के कारण स्पष्टता के साथ विश्व कप के लिये योजना को अंजाम दिया है। बेली ने कहा, टी-20 टीम ने हाल ही में काफी सफलता हासिल की है, जिससे पैनल को श्रीलंका और भारत में अलग-अलग तरह के हालात के हिसाब से खिलाड़ियों के चयन में मदद मिली। उन्होंने कहा कि पैट कमिंस, जॉश हेजलवुड और टिम डेविड अच्छा खेल रहे हैं, और हमें भरोसा है कि वे विश्व कप के लिए उपलब्ध होंगे। यह शुरुआती टीम है, इसलिए अगर बदलाव करने की जरूरत पड़ी, तो वे सपोर्ट पीरियड से पहले किए जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने मिचेल स्टार्क के अंतरराष्ट्रीय टी-20 से संन्यास और स्पेंसर जॉनसन के चोटिल होने के बाद प्रोविजनल ग्रुप में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को शामिल नहीं करने का फैसला किया है। नतीजतन, दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट को शामिल किया गया है और चयनकर्ताओं ने उन्हें बेन ड्वारशुइस जैसा एक विकल्प चुना है।

ऑस्ट्रेलियाई प्रोविजनल टीम इस प्रकार है:- मिशेल मार्श, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, पैट कमिंस, टिम डेविड, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, जॉश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जॉश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस और एडम जम्पा शामिल हैं। विश्व कप से पहले पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए अलग टीम की घोषणा अभी होनी है।

ऑस्ट्रेलिया के लिए एशेज के पांचवें टेस्ट में स्मिथ करेंगे कप्तानी

सिडनी, 1 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी एशेज टेस्ट की 15 सदस्यीय टीम के लिए स्टीव स्मिथ को कप्तान बनाया है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर चार जनवरी से शुरु होने वाले टेस्ट मैच में नियमित कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में, सीनियर बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगे।

कमिंस, जो पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण सीरीज के शुरुआती दो टेस्ट नहीं खेल पाए थे, एडिलेड टेस्ट में वापस आए और ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी की। टीम प्रबंधन ने कमिंस के वर्कलोड को मैनेज करने और भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 से पहले उनकी फिटनेस सुनिश्चित करने के लिए सीरीज के बाकी मैचों के लिए इस तेज गेंदबाज को आराम देने का फैसला किया है। कमिंस को पहले ही इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए ऑस्ट्रेलिया की संभावित टीम में शामिल किया जा चुका है।

उस्मान ख्वाजा ने, अपने टेस्ट भविष्य को लेकर चल रही अटकलों के बीच, सिडनी टेस्ट के लिए टीम में अपनी जगह बनाए रखी है। 39 वर्षीय खिलाड़ी ने सीरीज की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के पहले पसंद के सलामी बल्लेबाज के तौर पर की थी, लेकिन उनका अभियान काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। ख्वाजा पीठ में ऐंठन के कारण पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी में बल्लेबाजी नहीं कर पाए, ब्रिसबेन टेस्ट में पूरी तरह से बाहर रहे और स्मिथ की बीमारी के कारण नंबर चार पर बल्लेबाजी करने के लिए वापस बुलाए जाने से पहले उन्हें शुरू में एडिलेड में टीम से बाहर रखा गया था।

मेलबर्न में चौथे टेस्ट में ख्वाजा ने ट्रैविस हेड और जेक वेदरल्ड के साथ मध्य क्रम में खेला और दो पारियों में 29 और शून्य रन बनाए। कुल मिलाकर उन्होंने सीरीज में तीन मैचों में 30.60 की औसत से 153 रन बनाए हैं, जिसमें एडिलेड में एकमात्र अर्धशतक शामिल है। पांचवें एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीमः स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जॉश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, टॉड मर्फ़, माइकल नेसर, झाई रिचर्डसन, मिशेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड और ब्यू वेबस्टर शामिल हैं।

भारतीय क्रिकेट जगत ने नए साल की बधाई के साथ 2026 का किया स्वागत

नई दिल्ली, 1 जनवरी। भारतीय क्रिकेट के बड़े नामों ने गुरुवार को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं दीं, और उम्मीद, हिम्मत और सकारात्मकता के संदेशों के साथ 2026 का स्वागत किया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भी शुभकामनाएं देते हुए कहा, ''सभी को नए साल की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।'' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष जय शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, फैंस को ''बाउंड्री से भरे साल'' की शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि 2026 में सपने ''बड़ा स्कोर'' करेंगे। पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने एक प्रेरणा देने वाला संदेश साझा किया, जिसमें लोगों से खुद पर विश्वास बनाए रखने और अपना बेस्ट देने की कोशिश करते रहने की अपील की। युवराज ने कहा, ''जब दिन मुश्किल हो, तो आप पीछे नहीं हटते, आप उठते हैं और इसे फिर से करते हैं। उन्होंने कहा कि वह उन पलों, लोगों और अनुभवों के लिए शुक्रगुजार हैं जिन्होंने बीते साल को बनाया। पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने सभी को नए साल की शुभकामनाएं दीं और कहा, ''नई शुरुआत और सभी के लिए 2026 खुशहाल हो।''

एटीपी ने 2026 सीजन के लिए खिलाड़ी सलाहकार परिषद की घोषणा की

नई दिल्ली, 1 जनवरी। टेनिस पेशेवर संघ (एटीपी) ने गुरुवार को 2026 सीजन के लिए खिलाड़ी सलाहकार परिषद (प्लेयर एडवाइजरी काउंसिल) की घोषणा की। आज यहां मार्सेलो अरेवालो, जिजू बर्ग्स, नूनो बोर्गेस और झांग झिझेन को तीन वर्ष के कार्यकाल (2026-2028) के लिए परिषद का नया सदस्य चुना गया। जबकि मैकेंजी मैकडॉनल्ड को तीन साल के दूसरे कार्यकाल (यह भी 2026-2028) के लिए फिर से चुना गया है। वे 2026 परिषद में कैमिलो उगो कैराबेलि, पेड्रो मार्टिनेज, जौमे मुनार, आंद्रे रुब्लेव और एंड्रिया वावासोरी के साथ शामिल होंगे। एटीपी के अनुसार फेडरिको रिक्की परिषद में कोच प्रतिनिधि बने रहेंगे और निकोलस परेरा को पूर्व छात्र प्रतिनिधि के रूप में अपना पद बनाए रखा गया है। एटीपी खिलाड़ी सलाहकार परिषद का चयन वो खिलाड़ी करते है जिन्हें एक खास रैंकिंग कैटेगरी के लिए नामित किया जाता है।

मार्श, हार्डी ने हरिकेंस की घरेलू जीत का सिलसिला रोका

होबार्ट, 1 जनवरी। एक रिकॉर्ड-ब्रेकिंग नए साल के दिन के मुकाबले में, पर्थ स्कॉर्चर्स ने बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए होबार्ट हरिकेंस को 40 रनों से हरा दिया और घर पर उनकी लगातार नौ मैचों की जीत का सिलसिला खत्म कर दिया। मिशेल मार्श और आरोन हार्डी ने मिलकर 164 रनों की ऐतिहासिक साझेदारी की, जिससे स्कॉर्चर्स ने 229/3 का विशाल स्कोर बनाया - इस सीजन में यह उनका तीसरा 200 से ज़्यादा का स्कोर था - जिसके बाद गेंदबाजों ने मिलकर हरिकेंस को 189/9 पर रोक दिया।

हरिकेंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, यह फैसला शुरू में सही लग रहा था जब नाथन एलिस ने फिन एलन को 16 रन पर आउट किया और मिशेल ओवेन ने कूपर कॉनोली को सिर्फ 4 रन पर आउट कर दिया। छठे ओवर की शुरुआत में जब स्कॉर्चर्स 2 विकेट पर 53 रन बनाकर लड़खड़ा रहे थे, तो हरिकेंस का पलड़ा भारी लग रहा था। हालांकि, जब मैथ्यू वेड ने 18 रन पर मिशेल मार्श का कैच छोड़ दिया, तो मैच का रुख पूरी तरह से बदल गया। यह हरिकेंस के लिए एक महंगा मौका था, क्योंकि मार्श एक आक्रामक बल्लेबाज बन गए।

मार्श ने 58 गेंदों में शानदार 102 रन बनाए, इस पारी में उन्होंने जिस पहली गेंद का सामना किया, उस पर क्रिस जॉर्डन को एक बड़ा छक्का लगाया। उनके साथ, हार्डी ने एक शानदार सहायक भूमिका निभाई, और सिर्फ 43 गेंदों में 94 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने मिलकर सिर्फ 84 गेंदों में तीसरे विकेट के लिए बीबीएल में एक नया साझेदारी रिकॉर्ड बनाया। उनकी शानदार हिटिंग के सामने हरिकेंस के गेंदबाजों के पास कोई जवाब नहीं था; जॉर्डन और रिले मेरेडिथ जैसे अनुभवी गेंदबाज भी दबाव में आ गए।

मार्श आखिरकार आखिरी ओवर में बाउंड्री पर कैच आउट हो गए, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था क्योंकि पर्थ ने मेजबान टीम के सामने एक बड़ा लक्ष्य रखा था। 230 रनों का पीछा करते हुए, हरिकेंस एक जुझारू प्रयास के बावजूद हमेशा आवश्यक रन रेट से पीछे रहे।

जीआर अकादमी जीती

जयपुर, 1 जनवरी। आशा देवी डागा टूर्नामेंट में जीआर अकादमी ने सीजीएसटी मुंबई और पीआर पब्लिसिटी को हराया। जीआर

अकादमी ने 5 विकेट पर 215 रन बनाए, जिसमें मैन ऑफ द मैच दिव्या गजराज ने नाबाद 98 रन बनाए और अनित राज मंडिया ने 42 रन का योगदान दिया। सीजीएसटी मुंबई की टीम 161 रन पर ऑलआउट हो गई, जिसमें श्रीराज घराट ने 34 रन बनाए। हेमंत चौधरी ने 2 विकेट लिए और रोहित खिचर ने 3 विकेट हासिल किए। दूसरे मैच में, जो प्रति पक्ष 15 ओवर का कर दिया गया था, जीआर अकादमी ने 5 विकेट पर विशाल 241 रन बनाए। इसमें दिव्या गजराज ने 34 गेंदों में 67 रन और कुणाल सिंह राठौड़ ने 31 गेंदों में 11 छक्कों की मदद से 89 रन बनाए। जवाब में पीआर पब्लिसिटी की टीम 7 विकेट पर 148 रन ही बना सकी। यश कोठारी ने 35 रन बनाए और अनुप गुर्जर ने 16 गेंदों में 51 रन बनाए। कुणाल सिंह राठौड़ को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। कल सेमीफाइनल में खेलने के लिए एलिमिनेटर मैच कृष्णा अकादमी और सीजीएसटी मुंबई के बीच खेला जाएगा।

मर्फी की नजर सिडनी में स्पिनरों के लिए बड़ी भूमिका पर

सिडनी, 1 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच चल रही एशेज सीरीज में स्पिन का ज़्यादा रोल नहीं रहा है, लेकिन ऑफस्पिनर टॉड मर्फ़ को उम्मीद है कि सीरीज के आखिरी टेस्ट में ऐसा नहीं होगा, जो सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाना है, यह एक ऐसा मैदान है जिसने ऐतिहासिक रूप से स्पिनरों का साथ दिया है।

जबकि इंग्लैंड ने अब तक चार टेस्ट में अपने मुख्य स्पिनर शोएब बशीर को खिलाने के लालच से खुद को रोका है, वहीं नाथन लियोन की भी ऑस्ट्रेलिया के लिए सीमित भूमिका रही है। हालांकि, लियोन के चोटिल होने और सिडनी में मर्फ़ के लिए मौके की उम्मीद के साथ, ऑफस्पिनर के पास यह मानने के कारण हैं कि घरेलू टेस्ट में उनकी बड़ी भूमिका होगी।

मर्फ़ ने गुरुवार को कहा, ''मुझे नहीं लगता कि सीरीज शुरू होने से पहले ऐसी कोई प्लानिंग या विचार था कि स्पिन की कोई भूमिका नहीं होगी।मुझे लगता है कि यह बस ऐसा ही हुआ है। मुझे लगता है कि यह साल दर साल बदलेगा। अगले साल यह पूरी तरह से अलग हो सकता है।''

मर्फ़ ने अब तक 7 टेस्ट में 22 विकेट लिए हैं, जिनमें से सभी घर से बाहर लिए गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए उनका आखिरी मैच फरवरी 2025 में गाले में हुआ था। घर पर, फरवरी 2023 में डेब्यू करने के बाद से, उन्हें लियोन के स्पिन विभाग की अगुवाई करने के कारण अपनी बारी का इंतज़ार करना पड़ा है। लेकिन यह इंतज़ार उनके लिए कोई हैरानी की बात नहीं थी।

राशि सिंघल बनी चैम्पियन पद्मजा 2 वर्ग के फाइनल में मुदित पांडे ने लुड़काई प्रथम वरीयता

जयपुर, 1 जनवरी। सवाई मानसिंह स्टेडियम पर चल रहे श्री ओ एन दीक्षित जिला बैडमिंटन में आज अंडर 13 बॉयज के मुकाबले में मुदित पांडे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली वरीयता के अनिस चाहर को आसान गमों में 21-8, 21-10 से परास्त किया सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उन्होंने प्रणब मूलचंदानी को 21-13, 21-7 से हरा फाइनल में प्रवेश किया दूसरे सेमीफाइनल में वेदहै जैन ने नैतिक बंसल को 21- 10, 21 -12 से परास्त कर फाइनल में जगह बनाई आज खेले गए। एकमात्र 11 गर्ल्स फाइनल में राशि सिंघल ने दो आसान गेम में रूहानी यादव को 21 -5 21- 7 से हारा अंडर 11 गर्ल्स का खिताब जीता बॉयज अंडर 11 में सेमीफाइनल में नैतिक

बसल ने हीमाक्ष को 21-13 21 -14 तथा दूसरे सेमीफाइनल में लक्षित रेवार ने शिव चौहान को 21 -12, 21- 17 से परास्त किया वहीं पदमजा सिंह अपना पुराना शानदार प्रदर्शन दोहराते हुए अडर 13 व अंडर 17 के फाइनल में प्रवेश किया अंदर 13 के सेमीफाइनल में पदमजा मोहिका कौशल को 21-9, 21-3 तथा अंदर 17 की सेमीफाइनल में वर्षा सिंह को 21 -10, 21- 14 से हरा दोनों वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया वहीं दूसरी सेमीफाइनल में आराध्या बिश्नोई ने हनिका को 21-17 ,21-17 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया अंडर 17 सेमीफाइनल में अद्विका शर्मा ने पर्ल पारीक को लगभग 45 मिनट चले एक कड़े संघर्ष में 28-26, 21 -17 से परास्त किया लड़कों के अंडर 15 में तपेश्वर पूनिया, जिज्ञास, मनाविक भारद्वाज व निखिल नाथ सेमीफाइनल में पहुंचे वहीं अंदर 15 गर्ल्स सेमीफाइनल में पद्मजा, ओजस्विता ,आराध्या शर्मा, आराध्या ढींगरा ने सेमी फाइनल मे प्रवेश किया बॉयज अंडर 17 के सेमीफाइनल में भव्य अग्रवाल ,रूद्र देवन्दा सत्यम गुर्जर व अक्षत शेखावत ने प्रवेश किया आयोजन सचिव अतुल गुप्ता के अनुसार कल अंडर 11 व 13 बॉयज फाइनल तथा अंडर 13-17 गर्ल्स का फाइनल खेला जाएगा तथा शेष सभी एकल मैच कल खेले जाएंगे। अतुल गुप्ता के अनुसार दोपहर 11:00 बजे से डबल्स व मिक्स डबल्स के मैच शुरू हो जाएंगे तथा शाम 5:00 बजे से वेटरन के मैच खेले जाएंगे।

अस्पताल में ठीक हो रहे हैं ब्राजील के लीजेंड रॉबर्टो कार्लोस

रियो डी जेनेरो, 1 जनवरी। ब्राज़ील और रियल मैड्रिड के लीजेंड रॉबर्टो कार्लोस ''अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। एक मेडिकल प्रोसीजर के बाद, जिसे उन्होंने ''एक बचाव के लिए मेडिकल प्रोसीजर'' बताया। 52 साल के पूर्व लेफ्ट-बैक ने अपने इंस्टाग्राम पेज के जरिए फैंस को अपनी हालत के बारे में बताया, जिसमें अस्पताल के बिस्तर पर मुस्कुराते हुए उनकी एक तस्वीर भी थी। उन्होंने उन अफवाहों का भी खंडन किया कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था।

उन्होंने लिखा, ''मैं हाल ही में चल रही जानकारी को साफ करना चाहता हूं। मैंने हाल ही में एक बचाव के लिए मेडिकल प्रोसीजर करवाया, जिसकी योजना मेरी मेडिकल टीम के साथ पहले से बनाई गई थी। प्रोसीजर सफल रहा, और मैं ठीक हूं। मुझे दिल का दौरा नहीं पड़ा।मैं अच्छी तरह से ठीक हो रहा हूं, और जल्द ही पूरी तरह से फिट होकर अपने प्रोफेशनल और पर्सनल कामों को फिर से शुरू करने का इंतजार कर रहा हूं। ''मैं सपोर्ट, देखभाल और चिंता के मैसेज के लिए सभी को दिल से धन्यवाद देता हूं। मैं सभी को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि चिंता की कोई बात नहीं है।मेरी देखभाल करने वाली पूरी मेडिकल टीम को मेरा दिल से धन्यवाद।'' कार्लोस ने रियल मैड्रिड के लिए 527 मैचों में चार ला लीगा खिताब और तीन चैंपियंस लीग जीते, और 2002 में ब्राज़ील के साथ वर्ल्ड कप जीता। फ्री-किक स्पेशलिस्ट के तौर पर मशहूर, उनके दूसरे क्लबों में पाल्मेरास, इंटर मिलान, फेनरबाचे और कोरिंथियंस शामिल थे।

एमबाप्पे के घुटने की चोट रियल मैड्रिड के लिए एक बड़ा झटका

मैड्रिड, 1 जनवरी। रियल मैड्रिड को 2025 के अंत में बुरी खबर मिली है, क्लब ने पुष्टि की है कि टॉप स्कोरर किलियन एमबाप्पे को ट्रेनिंग के दौरान घुटने में चोट लग गई है। इस वजह से वह रविवार को बेटिस के खिलाफ घर पर होने वाले ला लीगा मैच से बाहर रहेंगे और सऊदी अरब में होने वाले स्पेनिश सुपरकप में भी उनके खेलने पर संदेह है। क्लब ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर बताया, ''हमारे खिलाड़ी किलियन एमबाप्पे पर रियल मैड्रिड मेडिकल सर्विसेज द्वारा आज किए गए टेस्ट के बाद, उनके बाएं घुटने में मोच का पता चला है।'' जैसा कि रियल मैड्रिड के साथ आम तौर पर होता है, मेडिकल रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि फ्रांसीसी स्ट्राइकर कब वापसी करेंगे, बस इतना कहा गया कि ''उनकी प्रगति पर नजर रखी जाएगी।'' हालांकि, यह तथ्य कि रियल मैड्रिड 8 जनवरी को जेद्दा में सुपरकप के दूसरे सेमीफाइनल में एटलेटिको के खिलाफ खेलेगा, इसका मतलब है कि उनके पास ठीक होने के लिए बहुत कम समय है और उन्हें इस प्रतियोगिता के लिए एक बड़ा संदिग्ध माना जाना चाहिए, जिसका फाइनल 11 जनवरी को है। ज़्यादातर लोगों का मानना है कि सऊदी अरब में रियल मैड्रिड के कोच ज़ाबी अलोंसो की नौकरी दांव पर लगी है और टीम अपने स्टार खिलाड़ी के बिना अलोंसो के भविष्य के लिए खेल सकती है। एमबाप्पे ने इस सीजन में रियल मैड्रिड के 25 मैचों में से 24 में खेला है, जिस एकमात्र मैच में वह नहीं खेले थे, उसमें चैंपियंस लीग में मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ घर पर 2-1 से हार मिली थी। उन्होंने 18 ला लीगा मैचों में 18 गोल (रियल मैड्रिड के कुल 36 गोल का आधा) और पांच चैंपियंस लीग खेलों में नौ और गोल किए हैं।

2026 में पूरी तरह फिट रहना चाहते हैं सितसिपास

पर्थ, 1 जनवरी। एटीपी रैंकिंग में पूर्व नंबर 3 खिलाड़ी 2025 सीजन के दूसरे हाफ में पीठ की चोट से जूझ रहे थे और सितंबर में डेविस कप में ग्रीस के लिए दो सिंगल्स मैच खेलने के बाद उन्होंने फिर से कोई मुकाबला नहीं खेला। सितसिपास ने ठीक होने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए ब्रेक लिया और अब पर्थ में आराम और तरोताज़ा महसूस कर रहे हैं, जहाँ वह सीजन की शुरुआत में होने वाले यूनाइटेड कप में टीम ग्रीस का प्रतिनिधित्व करने की तैयारी कर रहे हैं। त्सित्सिपास ने गुरुवार को टीम ग्रीस की टूर्नामेंट से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''मैंने ठीक होने में कुछ समय बिताया। मैं लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहा। सीज़न के आखिरी तीन या चार टूर्नामेंट में मैं मुश्किल से खेल पा रहा था। इसलिए यह महत्वपूर्ण था कि कुछ ऐसा किया जाए जिससे मैं फिर से स्वस्थ होकर वापस आ सकूँ।

उन्होंने कहा, ''मैंने ठीक होने और वापस उसी स्थिति में आने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए। तो अब तक मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छा फीडबैक है, यह जानते हुए कि मैंने अपना पूरा प्री-सीजन बिना किसी दर्द, बिना किसी परेशानी के पूरा किया है। मुझे उम्मीद है कि यह ऐसा ही रहेगा और मैं यूनाइटेड कप से इसकी शुरुआत करूँगा और उम्मीद है कि 2026 सीजन के लिए भी ऐसा ही रहेगा।''

12 बार के टूर-लेवल चैंपियन सितसिपास ने 2025 में 22-16 का रिकॉर्ड बनाया। 27 वर्षीय खिलाड़ी उस शारीरिक बुनियाद को फिर से बनाने की कोशिश कर रहे हैं जिस पर उनका जबरदस्त खेल हमेशा आधारित रहा है।

सितसिपास ने, ''जिस चीज को लेकर मैं सबसे ज़्यादा उत्साहित हूँ, वह है पिछले कुछ हफ़्तों में की गई अपनी असल ट्रेनिंग को देखना और यह देखना कि यह मेरी पीठ के मामले में कैसा रिस्पॉन्स देती है, क्योंकि मेरी सबसे बड़ी चिंता यह रही है: क्या मैं सच में एक मैच पूरा कर पाऊँगा?'' उन्होंने कहा, पिछले छह से आठ महीनों से मेरे मन में यही चल रहा था। मैं लगातार सोच रहा था, अगर मैं कोई मैच जीतता हूं, तो क्या मैं अगले दिन वापस आकर बिना दर्द के दूसरा मैच खेल पाऊंगा?

यूएस ओपन में अपनी पीठ की चोट के कारण हारने के बाद मैं सच में बहुत डर गया था, क्योंकि मैं दो दिनों तक चल भी नहीं पा रहा था। जब ऐसी चीजें होती हैं, तो आप अपने करियर के भविष्य के बारे में फिर से सोचने लगते हैं। मुझे बस उम्मीद है कि 2026 में ऐसा कुछ नहीं होगा। मैं असल में दुनिया के सबसे अच्छे स्पोर्ट्स डॉक्टरों में से एक के पास गया था, और उन्होंने अब तक मुझे ठीक करने का वादा किया है। मुझे उम्मीद है कि यह 2026 तक बना रहेगा। 2026 के लिए मेरी सबसे बड़ी इच्छा यही है कि मैं मैच खत्म कर सकूं और अपनी पीठ से जुड़ी किसी भी समस्या के बारे में न सोचना पड़े। 2026 में सितसिपास का पहला प्रतिद्वंद्वी शिनतारो मोचिज़ुकी होगा। इस जोड़ी का पहला लेक्सस एटीपी हेड2हेड मुकाबला मारिया सकारी और नाओमी ओसाका के बीच एक हेवीवेट डब्ल्यूटीए मुकाबले के बाद होगा, जब टीम ग्रीस और टीम जापान शुक्रवार रात को आरएसी एरिना में आमने-सामने होंगी।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अफगानिस्तान की टीम घोषित, राशिद खान कप्तान

नई दिल्ली, 1 जनवरी। अफगानिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कप्तानी राशिद खान को सौंपी गई है, जबकि इब्राहिम जादरान उपकप्तान होंगे। वर्ल्ड कप से पहले यह टीम में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलेगी। फजलहक फारूकी और गुलबदीन नईब की वापसी टीम में तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी और ऑलराउंडर गुलबदीन नईब की वापसी हुई है। दोनों खिलाड़ियों को इससे पहले बांग्लादेश दौरे से बाहर रखा गया था। इसके अलावा मुजीब उर रहमान और नवीन-उल-हक को भी स्क्वॉड में जगह मिली है। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में सेमीफाइनल तक पहुंची थी टीम पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान ने पहली बार सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। टीम ने न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश जैसी मजबूत टीमों को हराया था। वेस्टइंडीज सीरीज से तय होगा टीम कॉम्बिनेशन अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के नसीब खान ने कहा, पिछले वर्ल्ड कप का प्रदर्शन हमारे लिए गर्व का विषय है। एशियाई परिस्थितियों में हम और बेहतर खेलने की उम्मीद कर रहे हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज से हमें सही टीम कॉम्बिनेशन तय करने में मदद मिलेगी। अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच टी-20 सीरीज 19 से 22 जनवरी तक खेली जाएगी। ग्रुप और पहला मुकाबला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अफगानिस्तान को ग्रुप में रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की खुशहाली के लिए श्रीनाथ जी की विशेष पूजा की

पूंछरी के श्रीनाथ जी मंदिर परिसर में पक्षियों के दाना-पानी के लिए निर्मित पक्षी घर का भी उद्घाटन किया

डीग, भरतपुर, 1 जनवरी (निस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नववर्ष 2026 का शुभारंभ अपने आराध्य देव की आराधना और मूक प्राणियों की सेवा के साथ किया। गुरुवार को डीग जिले के पूंछरी स्थित सुप्रसिद्ध श्रीनाथ जी मंदिर में मुख्यमंत्री ने सपरिवार विशेष पूजा-अर्चना की और प्रदेश की निरंतर प्रगति, सुख-समृद्धि एवं खुशहाली के लिए मंगलकामना की।

मुख्यमंत्री ने अपनी धर्मपत्नी के साथ पूर्ण विधि-विधान और वैदिक परंपराओं के अनुसार श्रीनाथ जी महाराज का पंचामृत अभिषेक किया। इसके पूर्व, मुख्यमंत्री ने श्रीनाथ जी के मुखारविंद का विशेष श्रृंगार और पूजन किया। मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुए इस अनुष्ठान में मुख्यमंत्री ने आहुतियां दीं। इस अवसर पर मंदिर परिसर को विशेष रूप से फूलों और विद्युत सज्जा से सजाया गया था। नववर्ष पर दर्शन हेतु आए हजारों श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शर्मा ने श्रद्धालुओं को प्रसाद भी वितरित किया।

मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में नवनिर्मित पक्षी-घर का विधिवत उद्घाटन किया। यह पक्षी-घर क्षेत्र के पक्षियों के लिए दाना-पानी और सुरक्षित आश्रय का केन्द्र बनेगा।

पक्षी-घर का लोकार्पण समारोह स्वामी चंद्र प्रकाश मुखिया महाराज की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मूक प्राणियों की सेवार्थ आगे आने वाले स्थानीय भामाशाहों की सराहना की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नववर्ष 2026 के शुभारंभ पर डीग के पूंछरी स्थित श्रीनाथ जी मंदिर में सपरिवार पूजा-अर्चना की और प्रदेश में खुशहाली के लिए मंगलकामना की।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपनी धर्मपत्नी के साथ पूर्ण विधि विधान और वैदिक परम्पराओं के साथ श्रीनाथ जी का पंचामृत अभिषेक किया। उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रसाद भी वितरित किया।

विदित हो कि इस पक्षी-घर के निर्माण में स्वतंत्रता सेनानी स्व. रघुनाथ प्रसाद, स्व. प्रेमवती, स्व. भगवती देवी एवं स्व. बालस्वरूप अटोलिया सहित, अन्य पुण्यात्माओं की स्मृति में उनके परिजनों ने आर्थिक सहयोग दिया है।

कार्यक्रम में गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। प्रशासनिक अधिकारियों में संभागीय आयुक्त भरतपुर डॉ. नलिनी कठोतिया, जिला कलेक्टर डीग उत्सव कौशल, जिला कलेक्टर भरतपुर कमर चौधरी, जिला पुलिस अधीक्षक डीग ओम प्रकाश मीना और अतिरिक्त जिला कलेक्टर डीग राजकुमार कस्वां सहित, अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कॉमर्शियल सिलेंडर 111 रु. महंगा

नई दिल्ली, 01 जनवरी। साल 2026 की शुरुआत के साथ ही महंगाई ने झटका दे दिया है। 1 जनवरी 2026 से सरकार ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। हालांकि राहत की बात यह है कि यह बढ़ोतरी सिर्फ कॉमर्शियल गैस सिलेंडर (19 किलो) में की गई है, जबकि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर (14.2 किलो) के दाम जस के तस रखे गए हैं।

तेल विपणन कंपनियों ने नए साल पर वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में करीब 111 रुपये (लगभग 7 प्रतिशत) की बढ़ोतरी की है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में 19 किलोग्राम वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर अब 1,691.50 रुपये का हो गया है, जो जून 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। दिसंबर 2025 में इसकी कीमत 1,580.50 रुपये थी। इससे पहले दिसंबर में सिलेंडर 10 रुपये और नवंबर में 5 रुपये सस्ता हुआ था।

- अब इसकी कीमत 1691.50 रु. हो गई है जो जून 2025 के बाद सर्वाधिक है।

करोड़ों रूपए ठगी करने वाले गिरोह का मास्टर माइंड गिरफ्तार

एसओजी ने ठगी के लिए सॉफ्टवेयर, वैबसाइट व डिजिटल करैंसी तैयार करने वाले को पकड़ा

जयपुर, 1 जनवरी। सोशल मीडिया के जरिए निवेश के नाम पर ठगी करने और कम दाम में लग्ज़री गाड़ियां दिलाने का झांसा देकर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह पर स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने शिकंजा कस दिया है। एसओजी ने इस मामले में उत्तराखंड के रुड़की से एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है,जो ठगी के मास्टरमाइंड और कथित सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बंशीलाल उर्फ प्रिंस सैनी को तकनीकी सहयोग उपलब्ध करा रहा था, फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि निवेश के नाम पर फ्रॉड करने और सस्ती लग्जरी गाड़ियां देने का झांसा देने वाले मुख्य आरोपी बंशीलाल उर्फ प्रिंस सैनी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अब उसके लिए सॉफ्टवेयर, वेबसाइट और डिजिटल करेंसी तैयार करने वाले आरोपी रजनीश कुमार (37) निवासी रुड़की, जिला हरिद्वार (उत्तराखंड) को गिरफ्तार किया गया है।

- आरोपियों ने निवेशकों को लुभाने के लिए 5.90 लाख रूपए में स्कॉपियो तथा 12 लाख रूपए में फॉर्च्यूनर गाड़ियाँ देने का झांसा दिया और इसका सोशल मीडिया पर व्यापक प्रचार किया।

एसओजी एडीजी ने बताया कि मुख्य आरोपी प्रिंस सैनी ने रजनीश कुमार से मिलीभगत कर वेबसाइट तैयार करवाई। इसमें 250 रुपए से आईडी बनाकर करीब 82 हजार लोगों को जोड़ा गया, जिससे लगभग 2 करोड़ रुपए की राशि एकत्र की गई।

इसके बाद, प्रिंस सैनी ने हार्वेस्ट एआई टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड नाम से कंपनी बनाकर स्वयं निदेशक और अपनी मंगेतर को सह-निदेशक बनाया। कंपनी की सोशल मीडिया एप्लिकेशन, डिजिटल करेंसी 'एचवीटी कॉइन' बनाने और उसे लिस्ट करवाने के लिए भी आरोपी रजनीश कुमार की मदद ली गई।

आरोपियों ने निवेशकों को लुभाने के लिए 5.90 लाख रुपए में स्कॉर्पियो और 12 लाख रुपए में फॉर्च्यूनर देने का झांसा दिया और इसका सोशल मीडिया पर व्यापक प्रचार किया।

डिजिटल करेंसी एचवीटी में निवेश के नाम पर आईडी बनाने के लिए लोगों से 2360 रुपए लिए गए। इस तरह 336 ट्रांजेक्शन के जरिए करीब 4.92 करोड़ रुपए बटोरे गए। इसके अलावा, करीब 40 लोगों से इकरारनामा कर कंपनी में निवेश भी करवाया गया।

जांच में सामने आया कि आरोपियों ने 15 अक्टूबर 2025 को भोपालगढ़ में 'डबल सेंचुरी रिवार्ड सेरेमनी' आयोजित की। इसमें 250 स्कॉर्पियो गाड़ियां देने का झांसा देकर 251 लोगों से करीब 15 करोड़ रुपए इकट्ठा कर लिए गए। यह पूरी राशि गबन कर ली गई।

बांग्लादेश में एक और हिंदू पर जानलेवा हमला

खोकन दास पर पहले धारदार हथियार से वार किया फिर ज़िंदा जलाने की कोशिश की गई

ढाका, 01 जनवरी। बांग्लादेश के शरियतपुर जिले के दामुद्या इलाके में बुधवार रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। बाजार बंद कर घर लौट रहे एक कारोबारी पर बदमाशों ने हमला कर दिया। पहले बेरहमी से पिटाई की गई, फिर धारदार हथियार से वार किया गया और आखिर में शरीर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई। गंभीर हालत में कारोबारी को ढाका रेफर किया गया है।

घायल कारोबारी की पहचान 50 वर्षीय खोकन चंद्र दास के रूप में हुई है। वे केनश्वर यूनियन के केउरभंगा बाजार में दवा और मोबाइल बैंकिंग का कारोबार करते हैं। पुलिस के मुताबिक, बुधवार रात करीब 9:30 बजे दुकान बंद कर वे दिन की कमाई लेकर सीएनजी ऑटो से घर लौट रहे थे। इसी दौरान दामुद्या-शरियतपुर रोड पर केउरभंगा बाजार के पास बदमाशों ने ऑटो रुकवाया और उन पर हमला कर दिया।

- हमलावरों द्वारा पैट्रोल डालकर आग लगाने के बाद खोकन पास ही के तालाब में कूद गए, फिलहाल वे ढाका के अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, बदमाशों ने पहले खोकन चंद्र दास की पिटाई की। इसके बाद उन पर धारदार हथियार से हमला किया गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। यहीं नहीं रुके हमलावर, बल्कि उन्होंने खोकन के सिर पर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। अचानक हुए इस हमले से इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

जान बचाने के लिए खोकन चंद्र दास सड़क किनारे स्थित एक तालाब में कूद गए। आसपास मौजूद लोगों के शोर मचाने पर हमलावर मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें बाहर निकाला और रात करीब 10 बजे शरियतपुर सदर अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद हालत बिगड़ने पर उन्हें उसी रात ढाका भेज दिया गया।

घायल की पत्नी सीमा दास ने बताया कि उनके पति रोज की तरह दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। उन्होंने कहा कि उनके पति ने दो हमलावरों को पहचान लिया था, इसी वजह से बदमाशों ने उनकी हत्या की नीयत से पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

दामुद्या थाने के प्रभारी अधिकारी मोहम्मद रबीउल हक ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में दो आरोपियों की पहचान की गई है, जिनके नाम रब्बी और सोहाग बताए गए हैं। दोनों स्थानीय निवासी हैं। पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश में जुटी है।

'2000 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खड़गे ने सोशल मीडिया एक्स पर शुभकामना संदेश पोस्ट करते हुए कहा, "इस उल्लासपूर्ण नववर्ष पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। आइए, नया साल, कमजोर वर्गों के अधिकारों, काम का अधिकार, वोट का अधिकार और गरिमा के साथ जीवन जीने के अधिकार की रक्षा के लिए जन आंदोलन बने।"

गांधी ने भी अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा, "आप सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। नया साल आपके जीवन में अपार खुशियां, उत्तम स्वास्थ्य और सफलता लेकर आए। सभी को नववर्ष 2026 की बहुत-बहुत शुभकामनाएं!"

'सबको अपने घर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामाजिक सौहार्द का प्रतीक रहा है। उन्होंने कहा "यह सही है कि भारत सामाजिक सौहार्द और एकता का प्रतीक है। हर नागरिक, जाति, धर्म, लिंग और भाषा से परे, एक सामान्य लक्ष्य साझा करता है। जाति केवल समाज और राष्ट्र की सेवा के प्रतीक के रूप में अस्तित्व में है," हालांकि, विपक्ष ने भाजपा पर हमला करते हुए सवाल उठाया कि भागवत किसकी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं। आरजेडी के सांसद मनोज झा ने कहा, "उनके विस्तृत बयान के बाद, पहले उन्हें किसे अपनी बातें सुनानी चाहिए? वे किसकी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं, और कौन सी राजनीतिक पार्टी उनसे प्रेरित होती है? यह तो भाजपा है, है न?"

झा ने त्रिपुरा के छात्र के कथित नस्ली उत्पीड़न का हवाला देते हुए कहा, "अभी, उनके अपने राज्य उत्तराखंड में, त्रिपुरा का एक बच्चा मारा जाता है। पर मैंने इस पर उनका एक बयान भी नहीं सुना। जिस नग्न रूप में भाषाई और नस्ली भेदभाव हो रहा है, जब इतना जहर बोया जा रहा था, वे लगातार चुप रहे। अब वह जहर हर नथुने, हर फेफड़े तक पहुंच चुका है।"

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने सवाल उठाया कि भागवत भाजपा नेताओं को क्यों नहीं कहते कि वे "दक्षिण भारत के लोगों पर हिंदी भाषा को जबरदस्ती थोपना बंद करें। मोहन भागवत के बयान से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्हें यह अपनी पार्टी और भाजपा नेताओं को समझाना चाहिए।"

एयर मार्शल कपूर वायु सेना में नए उप प्रमुख बने

नयी दिल्ली, 01 जनवरी। एयर मार्शल नागेश कपूर ने गुरुवार को भारतीय वायु सेना के उप प्रमुख का कार्यभार संभाल लिया। उन्हें एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी के स्थान पर इस पद पर नियुक्त किया गया है, जो 40 वर्षों की गौरवशाली और विशिष्ट सेवा के बाद बुधवार को सेवानिवृत्त हो गये। सर्वोत्तम युद्ध सेवा पदक, परम विशिष्ट सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक, विशिष्ट सेवा पदक से अलंकृत एयर मार्शल कपूर ने दिसंबर 1985 में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से स्नातक उपाधि प्राप्त की और 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायु सेना की युद्धक विमान इकाई में शामिल हुए।

राहुल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। नया साल आपके जीवन में अपार खुशियां, उत्तम स्वास्थ्य और सफलता लेकर आए। सभी को नववर्ष 2026 की बहुत-बहुत शुभकामनाएं!"

भाजपा सुनियोजित तरीके ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पिछले कुछ वर्षों में, भाजपा ने पुराने छत्रपों के स्थान पर नए मुख्यमंत्री और नए प्रदेश अध्यक्षों के लाने का प्रयोग किया है।

पिछले साल अक्टूबर में, गुजरात सरकार के पूरे मंत्रिमंडल का पुनर्गठन किया गया था, जिसमें 25 नए मंत्रियों ने शपथ ली थी। बिहार चुनावों के बाद, पार्टी ने राज्य सरकार में आधे से अधिक पुराने मंत्रियों को बदल दिया।

सूत्रों ने बताया कि इस बीच, पार्टी ऐसे नेताओं का एक पूल तैयार करने की प्रक्रिया में है, जो आने वाले 20 वर्षों में 2047 के रोडमैप पर पार्टी को नेतृत्व दे सकें। सूत्रों ने यह भी कहा कि मकर संक्रांति के बाद केन्द्रीय मंत्रिमंडल में भी फेरबदल संभावित है, जहाँ फिर से नए चेहरों पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा।

- प्र.मंत्री मोदी ने लाल किले से स्वतंत्रता दिवस पर दिए भाषण में एक लाख युवाओं को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य रखा था। ये वो युवा लड़के होंगे, जिनका अब तक राजनीति से कोई संबंध नहीं रहा है।
- पुराने स्थापित नेताओं की जगह, युवा नेताओं को आगे लाने की नीति के तहत ही भाजपा ने गुजरात में पूरे मंत्रिमंडल को बदलकर, नया मंत्रिमंडल गठित किया, युवा नेताओं को प्राथमिकता देते हुए।
- इसी प्रकार बिहार में सरकार बनाने के बाद, पार्टी ने पुराने मंत्रिमंडल के आधे से ज्यादा मंत्रियों, जो विधायक चुने गये थे, को रिटायर कर, युवा नेताओं को मंत्रिमंडल का सदस्य बनाया।

साथ ही, राज्यसभा में भाजपा की सदस्य संख्या इस वर्ष बढ़ने की संभावना है। अप्रैल में संसद के उच्च सदन की 37 सीटें खाली होनी हैं। वर्तमान में भाजपा के पास इन सीटों में से नौ सीटें हैं। लेकिन बिहार, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में भाजपा को हुए चुनावी लाभ के कारण, भाजपा सांसदों की संख्या बढ़ने की संभावना है।

उत्तराखंड के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता हरीश रावत चुनाव नहीं लड़ेंगे

नयी दिल्ली, 01 जनवरी। कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री हरीश रावत ने गुरुवार को कहा कि वे अब कोई चुनाव नहीं लड़ेंगे, लेकिन अगले विधानसभा चुनाव में उत्तराखंड में कांग्रेस को बहुमत से जिताने के लिए पूरी ताकत से पार्टी के साथ खड़े रहेंगे।

रावत ने यहां पत्रकारों से कहा कि उन्होंने तय कर लिया है कि वे अब चुनाव नहीं लड़ेंगे, लेकिन कांग्रेस उत्तराखंड में अगला विधानसभा चुनाव जीते, इसके लिए वे अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल करेंगे और पार्टी उम्मीदवारों के साथ सक्रिय रहेंगे। पार्टी से नाराजगी संबंधी प्रश्न पर उन्होंने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है, वे पार्टी के सिपाही हैं और कांग्रेस की मजबूती के लिए समर्पित भाव से काम करेंगे, लेकिन चुनाव नहीं लड़ेंगे।

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा शासन में उत्तराखंड बदहाल स्थिति में पहुंच गया है इसलिए पूरा माहौल कांग्रेस के पक्ष में है। अब जब भी चुनाव होंगे, कोई भी करिश्मा भाजपा को जिता नहीं सकता। उनका कहना था कि उत्तराखंड की भाजपा सरकार जनविरोधी है और उसकी नीतियों से लोग तंग आ चुके है।

- हरीश रावत ने कहा अब वे सिर्फ पार्टी को जिताने के लिए ही काम करेंगे, खुद चुनाव नहीं लड़ेंगे।

मां का जन्मदिन मनाने राबड़ी देवी के आवास पहुंचे तेज प्रताप

पटना, 01 जनवरी। जिस बंगले (10, सर्कुलर रोड) को खाली करने के लिए सरकार नोटिस दे चुकी है, उसके फीके माहौल में गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने अपने जीवन के 68वें वर्ष में प्रवेश किया।

1995 के बाद से जहां सुबह-सकारे ही बधाई देने वालों का तांता लग जाता था, वहां के परिवेश में इस बार उदासी का घना कोहरा था। उस कोहरे को छांटते हुए दोपहर में शुभकामना देने पहुंचे बड़े पुत्र तेजप्रताप यादव को देख राबड़ी की आंखें सजल हो गईं। सात माह बाद तेजप्रताप इस बंगले में आए थे। लगभग घंटा भर वे साथ रहे। राबड़ी ने उन्हीं के लाए केक को काटा तथा पार्टी और परिवार से दोबारा नाता जोड़ने की सीख दी। भाव-वि ल हुए तेजप्रताप ने एक्स पर लिखा कि मां परिवार की आत्मा हैं और कठिन समय में भी उनके साथ खड़ी रहीं। हम धन्य हैं, क्योंकि हमारे पास आप हैं! 10, सर्कुलर रोड को खाली करने का उपक्रम शुरू हो चुका है। हालांकि, अभी सब कुछ राबड़ी को अकेले ही करना पड़ रहा। मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद से राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद दिल्ली में सांसद पुत्री मीसा भारती के बंगले पर आराम कर रहे हैं। पार्टी और परिवार के अगले नायक तेजस्वी यादव अपने परिवार के साथ यूरोप का भ्रमण कर रहे हैं, जो लालू के ऑपरेशन के पहले ही पटना से प्रस्थान कर गए थे।हालांकि, मोबाइल फोन से ही सही, राबड़ी को पहली शुभकामना लालू ने ही दी। दोपहर बाद से प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल, प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद व प्रदेश महासचिव भाई अरुण सहित, पार्टी के इक्का-दुक्का नेता भी पहुंचे, लेकिन पिछले वर्षों की तरह कार्यकर्ताओं या बड़े-बड़े दिग्गजों की भीड़ नहीं जुटी। पिछले वर्षों में इसी बंगले में एक जनवरी को धूम मच जाती थी। बहरहाल इसे पारिवारिक संबंधों में आई खटास और राजनीतिक उतार-चढ़ाव का प्रतिफल माना जा रहा।

- सात माह बाद तेज प्रताप ने राबड़ी आवास में कदम रखा

जापान को पछाड़कर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रूसी तेल खरीद पर भारत पर भारी टैरिफ लगाने के बाद आर्थिक चिंताओं के बावजूद आया है। सरकार ने जोर देकर कहा कि वैश्विक व्यापार में जारी अनिश्चितताओं के बीच भी भारत की निरंतर वृद्धि उसकी मजबूती और लचीलापन दिखाती है।

आईएमएफ के अनुसार, भारत 2022 में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना था, जब उसकी जीडीपी ने ब्रिटेन को पीछे छोड़ दिया था। जनसंख्या के मामले में भारत ने 2023 में अपने पड़ोसी देश चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने का दर्जा हासिल किया। हालांकि अमेरिका अभी भी दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, चीन दूसरे और जर्मनी तीसरे स्थान पर है।

विश्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2024 में भारत की प्रति व्यक्ति आय 2,694 डॉलर रही, जो जापान की 32,487 डॉलर से 12 गुना और जर्मनी की 56,103 डॉलर से 20 गुना कम है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की 1.4 अरब आबादी में से एक-चौथाई से अधिक लोग 10 से 26 वर्ष की उम्र के हैं और देश को लाखों युवा स्नातकों के लिए अच्छी तनख्वाह वाली नौकरियां पैदा करने की जरुरत है।

दिसंबर की शुरुआत में डॉलर के मुकाबले रुपया अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था। 2025 में रुपये में करीब पांच प्रतिशत की गिरावट आई, जिसका कारण अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की कमी और भारतीय सामान पर लगाए गए शुल्क को माना जा रहा है।

सरकार ने कहा, "दुनिया के सबसे युवा देशों में शामिल भारत की विकास गाथा इस बात पर निर्भर करती है कि वह कितनी अच्छी तरह गुणवत्तापूर्ण रोजगार पैदा कर पाता है, ताकि बढ़ते वर्कफोर्स को उत्पादक रूप से जोड़ा जा सके और समावेशी व टिकाऊ विकास सुनिश्चित किया जा सके।"विश्व बैंक ने 2026 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। मूडीज का मानना है कि भारत 2026 में 6.4 प्रतिशत और 2027 में 6.5 प्रतिशत वृद्धि के साथ, जी-20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

आईएमएफ ने 2025 के लिए अपना अनुमान बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत और 2026 के लिए 6.2 प्रतिशत कर दिया है। ओईसीडी ने 2025 में 6.7 प्रतिशत और 2026 में 6.2 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया है।

इसी तरह, एसएंडपी को चालू वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत और अगले साल 6.7 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। एशियाई विकास बैंक ने 2025 का अनुमान बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है, जबकि फिच ने मजबूत उपभोक्ता मांग को देखते हुए वित्त वर्ष 2026 के लिए अनुमान 7.4 प्रतिशत कर दिया है।

सरकार ने कहा, "2047 तक उच्च मध्यम-आय वाला देश बनने के लक्ष्य के साथ, भारत मजबूत आर्थिक वृद्धि, संरचनात्मक सुधारों और सामाजिक प्रगति की ठोस नींव पर आगे बढ़ रहा है। सन् 2047 तक, अपनी आज़ादी के शताब्दी वर्ष तक, उच्च मध्यम आय वाला देश बनने की महत्वाकांक्षा के साथ, देश आर्थिक विकास संरचनात्मक सुधारों और सामाजिक प्रगति की मज़बूत नींव पर आगे बढ़ रहा है।"

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2025 में बड़े पैमाने पर कंज़म्पशन टैक्स में कटौती की घोषणा की और 31 मार्च को खत्म हुए 12 महीनों में आर्थिक वृद्धि आर्थिक विकास चार साल के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद लेबर लॉ रिफॉर्म्स को लागू किया।

रुस के खेरसॉन में ड्रोन अटैक, 24 की मौत

मॉस्को, 01 जनवरी। रूस के खेरसॉन क्षेत्र में एक कैफे और होटल पर तीन यूक्रेनी ड्रोन हमलों में 24 लोगों की मौत हो गयी और 50 से अधिक लोग घायल हैं। गवर्नर व्लोदोमिर साल्दो ने गुरुवार तड़के टेलीग्राम पर लिखा, "दुश्मन ने एक ऐसी जगह पर लक्षित ड्रोन हमला किया, जहाँ नागरिक नये साल का जश्न मना रहे थे। तीन यूएवी ने खोरली में काला सागर तट पर स्थित एक कैफे और एक होटल पर हमला किया।" प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, इन हमलों में 24 लोग मारे गये और 50 से अधिक लोग घायल हैं।

नये साल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

डॉ. यादव ने बताया कि रात 8 बजे के बाद ही करीब 120 सड़क दुर्घटनाओं के मामले ट्रॉमा सेंटर पहुंचे।

घायलों में अधिकांश दुपहिया वाहन चालक थे। जांच में सामने आया कि कई युवक बिना हेलमेट, और शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए।

नवर्ष पर आठ लाख श्रद्धालु अयोध्या पधारे

रामलला और हनुमान गढी में भारी भीड़ उमड़ी

अयोध्या, 01 जनवरी। रामनगरी में नव वर्ष 2026 की पहली सुबह रामनगरी में भक्ति, विश्वास और उल्लास के रंग में रंगी नजर आई। नया साल लगते ही रामलला के दर्शन की अभिलाषा लेकर श्रद्धालुओं का जनसैलाब सरयू तट से लेकर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर और हनुमानगढ़ी तक उमड़ पड़ा। प्रशासनिक अफसरों ने बताया कि इस दौरान आठ लाख से अधिक श्रद्धालु व पर्यटक अयोध्या पहुंचे। इसमें तीन लाख से अधिक भक्तों ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई, साथ ही हनुमंतलला के दर्शन किए।

नए सपनों, संकल्पों के साथ मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की नगरी में बुधवार को लोगों ने नए साल के पहले दिन का दिल खोलकर स्वागत किया। भोर से ही मंदिरों के कपाट खुलते ही जय श्रीराम के उद्घोष गूंज उठे। भीड़ का सर्वाधिक दबाव रामलला के दरबार और हनुमानगढ़ी में रहा। श्रद्धालु घंटों कतार में खड़े रहकर भी उत्साह और धैर्य के साथ अपने आराध्य के दर्शन करते दिखे। कहीं भजन-कीर्तन की स्वर लहरियां थीं तो कहीं दीप-धूप के साथ आरती की दिव्यता ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

- प्रशासन ने सुरक्षा के तथा दर्शनों के लिए उचित इंतजाम करे थे।

कोहरा व ठंड भी आस्था की राह नहीं रोक सकी। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, रामनगरी में श्रद्धालुओं का रेला बढ़ता गया। मुख्य मार्ग से लेकर सरयू तट तक भक्तों की भीड़ से मेले जैसा दृश्य नजर आ रहा था। बच्चे, महिलाएं हों या युवा, नए साल की शुरुआत आराध्य के दर्शन से करने के लिए इस कदर उमड़े कि सरयू घाट से राम जन्मभूमि पथ तक जाने वाले रास्ते आस्था का महासंगम प्रतीत होने लगे।

सरयू तट पर आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। कड़कड़ाती ठंड में भी हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र सरयू में स्नान कर रामलला के दर्शन के लिए प्रस्थान किया। सरयू स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने नौकायन का भी आनंद लिया। सरयू में स्नान के बाद लता चौक पर सेल्फी लेने की होड़ रही। वहीं शाम होते ही मां सरयू की आरती व जयघोष से सरयू तट गुंजायमान हो गया।

नाका हनुमानगढ़ी में भी नए साल पर दर्शन-पूजन के लिए भक्तों का रेला उमड़ा। मंदिर के महंत रामदास ने बताया कि मंदिर में सुबह से शाम तक करीब 50 हजार भक्तों ने दर्शन-पूजन किया।

न्यूयॉर्क ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जीवन का सबसे बड़ा सम्मान और सौभाग्य है।" ममदानी जानी -मानी फिल्म निर्माता भारतीय मूल की मीरा नायर के पुत्र हैं।

स्विट्जरलैंड में बार में धमाका 40 की मौत

बर्न, 01 जनवरी। स्विट्जरलैंड के लग्जरी अल्पाइन स्की बार में नए साल के पहले दिन हुए धमाके में कम से कम 40 लोगों के मारे जाने की खबर है। क्रांस मोंटाना शहर में हुए इस धमाके के बारे में स्विस पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि धमाका किस कारण से हुआ है, इसकी जानकारी नहीं है।

स्काई न्यूज ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से जानकारी दी है कि इस घटना में 10 लोगों की मौत हुई है। स्काई न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारी अभी इसे किसी आतंकी घटना की नजर से नहीं देख रहे हैं। उधर, स्थानीय समाचार पत्र एल नूविस्ट ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि आग के कारण बड़ा नुकसान हुआ है और इसमें करीब 40 लोग मारे गए हैं। अखबार ने बताया कि इस घटना में 100 लोग घायल हुए हैं।

ब्लास्ट के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी फैल गई। लोगों को चीखते और चिल्लाते हुए बाहर भागते देखा गया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए रिजॉर्ट में लगी आग को बुझाने की कोशिश की। धमाके के कारण रिजॉर्ट में बड़ी आग लग गई थी। इस रिजॉर्ट में 400 लोगों की क्षमता थी।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908